

License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, [unfoldingWord](#), 2022, which is licensed under a [CC BY-SA 4.0 license](#).

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

अथूब 1:1

अथूब के चरित्र का वर्णन कैसे किया गया है?
 वे खरे और सीधा थे, वे परमेश्वर का भय मानते और बुराई से परे रहते थे।

अथूब 1:5

जब अथूब के पुत्र अपने भाइयों और बहनों के साथ अपने घरों में दावत करते थे, तब अथूब क्या करते थे?
 अथूब उन्हें बुलवाकर पवित्र करते, और बड़ी भोर को उठकर उनकी गिनती के अनुसार होमबलि चढ़ाते थे।

अथूब 1:8

यहोवा ने शैतान से अथूब पर ध्यान देने के लिए क्यों कहा?
 पृथ्वी पर अथूब जैसा कोई नहीं था, वह एक खरा और सीधा व्यक्ति था, जो परमेश्वर का भय माननेवाला और बुराई से दूर रहनेवाला मनुष्य था।

अथूब 1:10

शैतान ने कैसे कहा कि यहोवा ने अथूब की रक्षा की थी?
 उन्होंने अथूब के चारों ओर, उसके घर के चारों ओर, और उसके पास जो कुछ भी था, उसके चारों ओर एक बाड़ा बाँधी थी।

अथूब 1:11

शैतान ने क्या सोचा कि अथूब को परमेश्वर की निन्दा करने के लिए क्या प्रेरित करेगा?
 उसने कहा कि यदि परमेश्वर अपना हाथ बढ़ाकर अथूब का जो कुछ है उस पर हमला करेंगे तो अथूब परमेश्वर का निन्दा मुँह पर कर देंगे।

अथूब 1:12

यहोवा ने शैतान को क्या करने की अनुमति दी?
 उन्होंने शैतान को अथूब से सब कुछ लेने की अनुमति दी, लेकिन उसके शरीर पर हाथ लगाने की अनुमति नहीं दी।

अथूब 1:14-15

दूत ने अथूब को क्या बताया कि शेबा के लोगों ने उनके साथ क्या किया है?
 उन्होंने खेत में अथूब के सभी सेवकों को मार डाला और सभी बैल और गधों को ले गए।

अथूब 1:16

दूसरे दूत ने अथूब को बताया कि उनकी भेड़ों के साथ क्या हुआ था?
 परमेश्वर की आग आकाश से गिरी और उससे भेड़-बकरियाँ और सेवक जलकर भस्म हो गए।

अथूब 1:17

तीसरे दूत ने अथूब को क्या बताया कि उनके ऊँटों के साथ क्या हुआ था?
 कसदी लोग तीन दल बाँधकर आए और उन्होंने उन पर हमला किया। उन्होंने सभी ऊँट चुरा लिए और उन सभी सेवकों को मार डाला जो उनकी देखभाल कर रहे थे।

अथूब 1:18-19

चौथे दूत ने अथूब को क्या सूचना दी?
 अथूब के बेटे और बेटियाँ उनके बड़े भाई के घर में दावत कर रहे थे, जब जंगल की ओर से बड़ी प्रचण्ड गायु चली और घर के चारों कोनों को ऐसा झोंका मारा, कि वह जवानों पर गिर पड़ा और वे मर गए।

अथूब 1:20

अथूब ने इन सभी संदेशों को प्राप्त करने के बाद क्या किया?

अथूब ने अपना बागा फाड़ा, अपना सिर मुँडवाया, भूमि पर गिरा, और परमेश्वर को दण्डवत् किया।

अथूब 1:21

इन घटनाओं के बाद अथूब ने अपनी स्थिति के बारे में क्या कहा?

उन्होंने कहा कि वे अपनी माँ के पेट से नंगा आए थे, और वे नंगा ही लौटेंगे।

अथूब 1:21

अथूब ने कहा कि यहोवा ने उनके साथ क्या किया था?

यहोवा ने दिया और यहोवा ही ने लिया।

अथूब 1:22

अथूब ने कैसे दिखाया कि वह एक मूर्ख व्यक्ति नहीं थे?

अथूब ने पाप नहीं किया और न ही उन्होंने मूर्खतापूर्वक परमेश्वर पर कोई दोष लगाया।

अथूब 2:1

जब परमेश्वर के पुत्र यहोवा के सामने उपस्थित हुए, तो उनके साथ कौन आया?

शैतान भी आया और उनके सामने उपस्थित हुआ।

अथूब 2:2

शैतान ने यहोवा से क्या कहा कि वह क्या कर रहे थे?

उसने कहा कि वह पृथ्वी पर इधर-उधर घूमते-फिरते और डोलते-डालते आया है।

अथूब 2:3

यहोवा ने कहा कि शैतान के हमलों के बावजूद अथूब ने क्या करना जारी रखा?

अथूब अब तक अपनी खराई पर बना है।

अथूब 2:5

अब शैतान अथूब के साथ क्या करना चाहता है ताकि अथूब परमेश्वर को निन्दा करे?

शैतान अथूब की हड्डियाँ और माँस को छूना चाहता था ताकि उन्हें चोट पहुँचा सके।

अथूब 2:7

शैतान ने अथूब के शरीर को किस प्रकार पीड़ित किया?

उसने अथूब को पाँव के तलवे से लेकर सिर की चोटी तक बड़े-बड़े फोड़ों से पीड़ित किया।

अथूब 2:8

अथूब ने अपनी पीड़ा का सामना कैसे किया?

वे खुजलाने के लिये एक ठीकरा लेकर राख पर बैठ गए।

अथूब 2:9

अथूब की पत्नी चाहती थीं कि वह क्या करें?

अथूब की पत्नी चाहती थीं कि वे परमेश्वर की निन्दा करे और मर जाए।

अथूब 2:10

अथूब ने अपनी पत्नी पर क्या दोष लगाया था?

उसने उस पर दोष लगाया कि वह सोचती हैं कि उन्हें परमेश्वर के हाथ से सुख प्राप्त करना चाहिए, परन्तु दुःख नहीं।

अथूब 2:11

जब अथूब के तीन दोस्तों ने सुना कि अथूब के साथ क्या हुआ है, तो उन्होंने क्या किया?

वे उनके साथ विलाप मनाने और उन्हें शान्ति देने आए।

अथूब 2:12-13

जब अथूब के तीन दोस्तों ने उन्हें देखा, तो उन्होंने अपना दुख कैसे प्रकट किया?

वे चिल्लाकर रो उठे; और अपना-अपना बागा फाड़ा, और आकाश की और धूलि उड़ाकर अपने-अपने सिर पर डाली, और सात दिन और सात रात उसके संग भूमि पर बैठे रहे और उससे एक भी बात न कही।

अथूब 3:1-3

अथूब ने अपने जन्मदिन के बारे में क्या कहा?

उन्होंने अपने जन्मदिन को धिक्कारा और कहा की वह दिन नाश हो जाए।

अथूब 3:5

अथूब अपने जन्मदिन के बारे में क्या कहना चाहते हैं?

वह चाहते हैं कि अंधियारा और मृत्यु की छाया उस दिन पर रहे।

अथूब 3:6

जिस रात अथूब का गर्भाधान हुआ, उस रात वह क्या चाहता था?

अथूब चाहते हैं कि घोर अंधकार उस रात को पकड़े।

अथूब 3:11

अथूब ने क्या चाहा था कि जब वह पेट से निकलते ही क्या हुआ होता?

वह चाहते हैं कि उनकापेट से निकलते ही प्राण छूट गया होता।

अथूब 3:13-14

अथूब कहते हैं कि यदि उनका पेट से निकलते ही प्राण छूट गया होता, तो वह अब क्या कर रहे होते?

वह चुपचाप पड़े रहते, सोते रहते और विश्राम करते।

अथूब 3:18-19

मृत्यु में बन्धुए और दास को किससे स्वतंत्र किया जाता है?

बन्धुए को परिश्रम करानेवाले का शब्द से और दास को अपने स्वामी से स्वतंत्र होता है।

अथूब 3:21

अथूब किससे कहते हैं कि मृत्यु नहीं आएगी?

जो मृत्यु की बाट जोहते हैं और जो गड़े हुए धन से अधिक उसकी खोज करते हैं उन पर मृत्यु नहीं आती।

अथूब 3:24

अथूब अपनी विलाप को कैसे व्यक्त करते हैं?

उनकी विलाप धारा के समान बहता रहता है।

अथूब 3:26

अथूब के जीवन में दुःख ने कौन-कौन सी चीजों का स्थान ले लिया है?

वह कभी भी चैन से या शान्ति से नहीं रह सकते और उन्हें विश्राम भी नहीं मिलती है।

अथूब 4:3

एलीपज कहता है कि अथूब ने दूसरों के लिए कौन से अच्छे काम किए हैं?

अथूब ने बहुतों को शिक्षा दी है और निर्बल लोगों को बलवन्त किया है।

अथूब 4:6

एलीपज के अनुसार, विपत्ति के समय में अथूब का आसरा और आशा क्या हैं?

अथूब का परमेश्वर का भय ही उनका आसरा है, और उनके चाल चलन जो खरी है वही उनकी आशा है।

अथूब 4:8-9

परमेश्वर की श्वास और उनके क्रोध के झोंके से कौन नाश हो सकता है?

जो लोग पाप को जोतते और दुःख बोते हैं, वे नाश हो जाते हैं और भस्म होते हैं।

अथूब 4:10

एलीपज क्या कहते हैं कि तोड़े जाते हैं?

जवान सिंहों के दाँत तोड़े जाते हैं।

अथूब 4:12-13

एलीपज को चुपके से एक विशेष बात कैसे पहुँचाई गई?

उन्होंने अपने कानों में कुछ भनक सुनी और रात के स्वप्न देखे।

अथूब 4:14

जब एलीपज को संदेश मिला, तो उस पर क्या प्रभाव पड़ा?

उस पर थरथराहट और कँपकँपी छा गई।

अथूब 4:17

शब्द ने नाशवान मनुष्य के बारे में क्या पूछा?

शब्द ने पूछा कि क्या नाशवान मनुष्य परमेश्वर से अधिक धर्म होगा? क्या मनुष्य अपने सृजनहार से अधिक पवित्र हो सकता है?

अथूब 4:19

एलीपज नाशवान मनुष्य का वर्णन कैसे करते हैं?

वे मिट्टी के घरों में रहते हैं, और जिनकी नींव मिट्टी में डाली गई है, और जो पतंगे के समान पिस जाते हैं।

अथूब 5:2

एलीपज का कहना है कि एक मूर्ख और निर्बुद्धि के साथ क्या होगा?

खेद मूर्ख व्यक्ति को नाश करता है, और जलते-जलते निर्बुद्धि मर मिट्ठा है।

अथूब 5:4

शहर के फाटक पर मूर्ख व्यक्ति के बच्चों का क्या होता है?

वे सुरक्षा से दूर हैं, और वे फाटक में पीसे जाते हैं, और कोई नहीं है जो उन्हें छुड़ाए।

अथूब 5:7

वास्तव में कष्ट कहाँ से आती है?

अपने पूरे जीवन में, मनुष्य कष्ट ही भोगने के लिये उत्पन्न हुआ है।

अथूब 5:10

परमेश्वर पृथ्वी और खेतों को क्या प्रदान करते हैं?

वे पृथ्वी के ऊपर वर्षा करते हैं और खेतों पर जल बरसाते हैं।

अथूब 5:12

परमेश्वर धूर्त लोगों की कल्पनाओं का क्या करते हैं?

वह उनकी कल्पनाओं को व्यर्थ कर देते हैं ताकि उनके हाथों से कुछ भी बन नहीं पड़ता।

अथूब 5:15

परमेश्वर दरिद्रों और कंगालों को किससे बचाते हैं?

वह दरिद्रों को बलवानों के हाथ से और आरोपों से बचाते हैं और कंगालों को कुटिल मनुष्यों के नुकसान से सुरक्षित रखते हैं।

अथूब 5:18

वह मनुष्य क्यों धन्य है जिसे परमेश्वर सुधारते और ताड़ना देते हैं?

वह धन्य हैं क्योंकि परमेश्वर घावों को बाँधते हैं, और उनके हाथों से चंगा करते हैं।

अथूब 5:22

परमेश्वर द्वारा ताड़ना पाए मनुष्य किस में हँसमुख रहेगा?

वे उजाड़ और अकाल में हँसमुख रहेगा।

अथूब 5:24

जब परमेश्वर द्वारा ताड़ना पाए मनुष्य अपने निवास में दौरा करेंगे, तो वे क्या पाएंगे?

वह पाएंगे कि कोई वस्तु खोई न होगी।

अथूब 5:26

जिस मनुष्य को परमेश्वर ताड़ना देते हैं, वह कितने समय तक जीवित रहेगा?

वह पूरी अवस्था का होकर कब्र को पहुँचेगा।

अथूब 6:2-3

अथूब अपनी पीड़ा और विपत्ति का वर्णन कैसे करते हैं?

यदि उनकी पीड़ा और विपत्ति को तौला जाए, तो वे समुद्र की रेत से भी भारी ठहरती।

अथूब 6:4

सर्वशक्तिमान ने अपने तीरों से अथूब के साथ क्या किया है?

उनके तीर अथूब के अन्दर चुभे हैं, और उनका विष अथूब के आत्मा में पैठ गया है।

अथूब 6:6

अथूब किस भोजन के बारे में कहते हैं कि उसमें कोई स्वाद नहीं है?

वह कहते हैं कि अण्डे की सफेद हिस्सा किसी भी प्रकार का स्वाद नहीं रखता।

अथूब 6:8-9

अथूब परमेश्वर से कौन-सी एक विनती करना चाहते हैं कि वे उन्हें दें?

वह चाहते हैं कि परमेश्वर उन्हें कुचल दें और और हाथ बढ़ाकर उनके जीवन से उन्हें काट दें।

अथूब 6:10

अथूब की शान्ति क्या है?

उनकी शान्ति यह है कि उन्होंने पवित्र के वचनों का कभी इन्कार नहीं किया है।

अथूब 6:13

अथूब से क्या दूर हो गया?

काम करने की शक्ति उनसे दूर हो गई है।

अथूब 6:14

किस पर कृपा करनी चाहिए?

पड़ोसी पर कृपा करनी चाहिए।

अथूब 6:15-17

अथूब अपने भाइयों की तुलना मरुभूमि की नाले के समान कैसे करते हैं?

वे नाले के समान विश्वासघाती हो गए हैं: वे सूखे मौसम में उड़ जाते हैं।

अथूब 6:18-20

जब उन्होंने इन धाराओं में पानी की खोज की, तो बंजारे के साथ क्या हुआ?

वे बंजारे सुनसान स्थान में भटक गए और फिर नाश हो गए। वे निराश और ठगे हुए थे।

अथूब 6:21

अथूब के मित्र उसके लिए सहायक क्यों नहीं थे?

उन्होंने उसकी भयानक स्थिति देखी और डर गए, इसलिए उन्होंने उसकी सहायता नहीं की।

अथूब 6:24

अथूब कहता है कि यदि उसके मित्र उन्हें शिक्षा देंगे, तो वह क्या करेंगे?
वह चुप रहेंगे।

अथूब 6:26

अथूब ने अपने मित्रों से क्या कहा कि वे उनके बातों का क्या करेंगे?
वे उनकी बातों को सुधारने और जो उन्होंने कहा है उसे नजरअंदाज करने की योजना बना रहे हैं।

अथूब 6:29

अथूब क्यों कहते हैं कि उनके मित्रों को उन पर अपने हमले कम कर देने चाहिए?
अथूब के मुकद्दमे में उनका धर्म ज्यों का त्यों बना है।

अथूब 7:2-3

अथूब अपने अनर्थ के महीनों और क्लेश से भरी रातों की तुलना किससे करते हैं?
वह उनकी तुलना एक दास से करते हैं जो गर्मी से छाया चाहता है, या एक मजदूर से जो अपनी मजदूरी की आशा में है।

अथूब 7:5

अथूब के शरीर को क्या ढकी हुई है?
कीड़ों और मिट्टी के ढेले, खुले फोड़े और संक्रमण उनके देह को ढकी हुई है।

अथूब 7:6

अथूब अपने दिनों की फुर्ती का वर्णन करने के लिए किस चित्र का उपयोग करते हैं?
उनके दिन जुलाहे की ढरकी से अधिक फुर्ती से चलनेवाले हैं।

अथूब 7:9

अथूब उस व्यक्ति की तुलना किससे करते हैं जो अधीलोक में जाता है?
वह एक बादल की तरह है जो छटकर लोप हो जाता है।

अथूब 7:11

अथूब किस प्रकार से कहेंगे और कुङ्कुङ्काण्डेंगे?
वे अपने मन का खेद खोलकर कहेंगे और अपने जीव की कड़वाहट के कारण कुङ्कुङ्काण्डेंगे।

अथूब 7:14

जब अथूब बिस्तर पर जाते हैं, तो परमेश्वर क्या करते हैं?
परमेश्वर उन्हें स्वप्नों के द्वारा घबरा देते हैं और दर्शनों से भयभीत कर कर देते हैं।

अथूब 7:16

अथूब क्यों चाहते थे कि परमेश्वर उन्हें अकेला छोड़ दे?
अथूब ने कहा कि उनके जीवनकाल साँस सा है (व्यर्थ हैं)।

अथूब 7:19

अथूब परमेश्वर से क्या निवेदन करते हैं कि वे उन्हें अकेला छोड़ दें?
वह चाहते हैं कि उन्हें इतना अकेला छोड़ दिया जाए कि वे अपनी थूक निगल सकें।

अथूब 7:21

अथूब को क्या लगता है कि परमेश्वर क्या नहीं करेंगे?
अथूब को क्या लगता है कि परमेश्वर उनके अपराध को क्षमा नहीं करेंगे और उनके अधर्म को दूर नहीं करेंगे।

अथूब 8:2

बिल्द ने अथूब के मुँह की बातों की तुलना किससे की?
उन्होंने उनकी तुलना एक प्रचण्ड वायु से की।

अथूब 8:4

बिल्दद ने कैसे कहा कि उन्हें पता था कि अथूब के बच्चे पाप कर रहे थे?

उन्होंने कहा कि उन्हें यह पता था क्योंकि परमेश्वर ने उनके अपराध के लिए उन्हें फल भुगताया है।

अथूब 8:6

बिल्दद कैसे कहते हैं कि परमेश्वर अथूब को आशीष देंगे यदि अथूब निर्मल और धर्मी रहते?

परमेश्वर अथूब को उनके धार्मिकता का निवास फिर ज्यों का त्यों कर देंगे।

अथूब 8:9

बिल्दद हमारे पृथ्वी पर बिताए दिनों की तुलना किससे करते हैं?

वे कहते हैं कि वे एक छाया के समान हैं।

अथूब 8:11

कछार और सरकण्डा को बढ़ने के लिए क्या चाहिए?

कछार को बढ़ने के लिए घास पानी और सरकण्डा को बढ़ने के लिए जल की आवश्यकता होती है।

अथूब 8:14

बिल्दद भक्तिहीन के भरोसे की तुलना किससे करते हैं?

उनका भरोसा मकड़ी के जाले के समान नाजुक है।

अथूब 8:17

वे जड़ें क्या दर्शाती हैं जो उस व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं जो परमेश्वर को भूल जाता है?

जड़ें कंकड़ों के ढेर में लिपटी हुई रहती हैं और वह पत्थर के स्थान को देख लेता है।

अथूब 8:20

परमेश्वर खरे मनुष्य और बुराई करनेवालों के साथ कैसे भिन्न व्यवहार करते हैं?

वह खरे मनुष्य को नहीं छोड़ेंगे, लेकिन बुराई करनेवालों का हाथ नहीं संभालेंगे।

अथूब 8:21

परमेश्वर खरे मनुष्य के मुख और होठों को किससे परिपूर्ण करेंगे?

वह आपके मुँह को हँसमुख करेंगे और आपके होठों से जयजयकार कराएंगे।

अथूब 9:3

यदि कोई व्यक्ति परमेश्वर के साथ मुकद्दमा लड़ने का प्रयास करे तो क्या होगा?

वह व्यक्ति हजार बातों में से एक का भी उत्तर न दे सकेगा।

अथूब 9:5

जब परमेश्वर क्रोधित होते हैं, तो वह पहाड़ों के साथ क्या करते हैं?

वह पर्वतों को अचानक हटा देते हैं और उन्हें उलट-पुलट कर देते हैं।

अथूब 9:8

परमेश्वर किस चीज पर चलते हैं?

वह समुद्र की ऊँची-ऊँची लहरों पर चलते हैं।

अथूब 9:11

क्या अथूब परमेश्वर को देख पाते हैं जब वे सामने से होकर चलते हैं?

परमेश्वर उनके सामने से होकर चलते हैं और अथूब उन्हें देख या समझ नहीं पाते हैं।

अथूब 9:15

यदि अथूब निर्दोष भी होते, तो उन्हें परमेश्वर को किस प्रकार संबोधित करना पड़ता?

अथूब उनका उत्तर नहीं दे सके, परन्तु केवल मुद्दई से गिङ्गिङ्गाकर विनती कर सकते थे।

अथूब 9:17

अथूब परमेश्वर पर विश्वास क्यों करते हैं जब उनके पास चोट पर चोट हैं?

अथूब ने विश्वास किया कि परमेश्वर ने बिना कारण उन्हें चोट पर चोट दिया।

अथूब 9:20

क्या अथूब निर्दोष और खरा हो सकते हैं?

नहीं, तब भी, उनका मुँह उन्हें दोषी ठहराएगा और उन्हें कुटिल ठहराएगा।

अथूब 9:22

क्या अथूब मानते हैं कि परमेश्वर खरे और दुष्ट दोनों के साथ भिन्न व्यवहार करते हैं?

वह कहते हैं कि परमेश्वर खरे और दुष्ट दोनों को एक साथ नाश कर देते हैं।

अथूब 9:25-26

अथूब अपने दिनों की वेग की तुलना किन तीन चीजों से करते हैं?

वे दौड़ते हुए हरकारे से भी अधिक तेज हैं, वे सरकणों की नावों के समान तेज हैं, और अहेर पर झापटते हुए उकाब के जितने तेज हैं।

अथूब 9:27-29

अथूब ने क्यों कहा कि अपनी शिकायतों को भूलना व्यर्थ होगा?

परमेश्वर उन्हें निर्दोष नहीं मानेंगे, लेकिन अथूब को दोषी ठहराएंगे।

अथूब 9:33

अथूब ने ऐसा क्या कहा जो कोई बिचवई नहीं कर सकता था?

कोई बिचवई अथूब और परमेश्वर दोनों पर हाथ नहीं रख सकता।

अथूब 9:34

अथूब का कहना है कि कोई अन्य बिचवई क्या नहीं कर सकते?

कोई अन्य बिचवई नहीं हैं जो परमेश्वर के सोंटा को अथूब से ले सकें, या अथूब को परमेश्वर के भय से घबराने से रोक सकें।

अथूब 10:2

अथूब क्यों चाहते हैं कि परमेश्वर उन्हें केवल दोषी ठहराने के बजाय अपनी योजना बताएं?

वह चाहते हैं कि परमेश्वर अथूब को बताएं कि वे उन पर दोष क्यों लगाते हैं।

अथूब 10:4

अथूब ने परमेश्वर से पूछा कि क्या उनकी आँखें कैसी हैं?

अथूब उनसे पूछते हैं कि क्या उनकी आँखें मनुष्य की तरह हैं और क्या वे वैसे ही देखते हैं जैसे एक मनुष्य देखता है।

अथूब 10:6

अथूब क्या कहता है कि परमेश्वर ढूँढ़ते और पूछते हैं?

परमेश्वर अथूब की अधर्म के बारे में ढूँढ़ते हैं और उसके पाप के बारे में पूछते हैं।

अथूब 10:8

परमेश्वर के हाथों ने अथूब के लिए क्या किया था?

उन्होंने अथूब को ठीक रचा और जोड़कर बनाया, फिर भी वे उन्हें नाश कर रहे हैं।

अथूब 10:11

परमेश्वर ने अथूब पर क्या चढ़ाया?

उन्होंने उस पर चमड़ा और माँस चढ़ाया।

अथूब 10:12

परमेश्वर ने अथूब को क्या दिया है?

परमेश्वर ने उन्हें जीवन और उन पर करुणा की है।

अथूब 10:14

यदि अथूब पाप करते तो परमेश्वर क्या करते?

परमेश्वर उनके पाप को देखेंगे, और उन्हें उनके अधर्म करने पर निर्दोष नहीं ठहराएंगे।

अथूब 10:16

यदि अथूब का सिर ऊपर उठाया जाता, तो परमेश्वर अथूब के साथ क्या करते?

परमेश्वर उनका अहेर एक सिंह के समान करेंगे।

अथूब 10:17

परमेश्वर अथूब के विरुद्ध किसे लाएंगे?

परमेश्वर उनके विरुद्ध नये-नये साक्षी लाएंगे।

अथूब 10:18

अथूब क्या चाहते थे कि उनके साथ क्या हुआ होता?

वह चाहते हैं कि वह प्राण छोड़ देते और किसी ने उन्हें कभी नहीं देखा होता।

अथूब 10:21

अथूब कहाँ जा रहे हैं, जहाँ से वे वापस नहीं आएंगे?

वह घोर अंधकार के देश में जा रहे हैं।

अथूब 11:3

सोपर को क्या लगा कि अथूब ने उनकी शिक्षा का क्या किया था?

उन्होंने सोचा कि अथूब ने उनके दोस्तों की शिक्षा का ठट्ठा उड़ाया था।

अथूब 11:6

सोपर ने कहा कि परमेश्वर ने अथूब से क्या माँगा है?

उसने कहा कि परमेश्वर ने अथूब से उसके अधर्म में से बहुत कुछ भूल जाता है।

अथूब 11:7-9

क्या सोपर मानते हैं कि अथूब परमेश्वर का गृह भेद पा सकते हैं?

सोपर सोचते हैं कि यह असंभव है क्योंकि परमेश्वर आकाश जितना ऊँचा, अधोलोक से गहरा, पृथ्वी से लंबा और समुद्र से चौड़ा हैं।

अथूब 11:10-11

क्या सोपर को लगता है कि परमेश्वर को रोकना किसी के लिए भी संभव है?

परमेश्वर को रोकना असंभव है क्योंकि वे पाखण्डी मनुष्यों का भेद जानते हैं और अनर्थ काम को दंडित करते हैं।

अथूब 11:12

सोपर कहते हैं कि निर्बुद्धि मनुष्य बुद्धिमान कब होगा?

वह बुद्धिमान तब होगा जब मनुष्य जंगली गदहे के बच्चे के समान जन्म लेगा, जिसका अर्थ है कभी नहीं!

अथूब 11:16

सोपर का कहना है कि यदि अथूब वास्तव में अपनी दुःख भूल जाएगा, तो उनकी पीड़ा का क्या होगा?

अथूब अपनी पीड़ा को भूल जाएंगे और उसे पानी के समान स्मरण करेगा जो बह गया हो।

अथूब 11:18

यदि अथूब अपनी दुःख को भूल जाए, तो वह निर्भय क्यों होंगे?

वे निर्भय रहेंगे क्योंकि वहाँ आशा होगी।

अथूब 11:20

सोपर का कहना है कि दुष्ट लोगों की आशा क्या होगी?

वे कहते हैं कि उनकी आशा प्राण निकल जाने में है, जिसका अर्थ है कि वे केवल मृत्यु की आशा कर सकते हैं।

अथूब 12:3

अथूब अपने मित्रों की तुलना में स्वयं को कैसे देखते हैं?

वह कहते हैं कि उनके पास भी समझ है और वे उनसे कुछ नीचा नहीं हैं।

अथूब 12:4

अब अथूब के मित्र उनके बारे में क्या सोचते हैं?

वे उन पर हँसते हैं।

अथूब 12:7-8

अथूब के विचार से उसके मित्रों को कौन सिखा सकता है?

पशु, पक्षी, पृथ्वी, और समुद्र की मछलियाँ उनके मित्रों को सिखा सकती थीं।

अथूब 12:9

सभी जानवर क्या जानते हैं?

वे जानते हैं कि यहोवा ही ने अपने हाथ से इस संसार को बनाया है।

अथूब 12:12

अथूब बूढ़ों और समझ के बारे में क्या कहते हैं?

जैसे-जैसे लोग बूढ़ों होते जाते हैं, उनके पास बुद्धिमानी और समझ बढ़ती जाती है।

अथूब 12:15

परमेश्वर जल का क्या करते हैं?

वह उन्हें रोकते हैं और वे सूख जाते हैं, और वह उन्हें छोड़ देते हैं तब पृथ्वी उलट जाती है।

अथूब 12:18

परमेश्वर राजाओं से क्या लेता है?

वह उनसे अधिकार तोड़ देते हैं।

अथूब 12:20

अथूब परमेश्वर के बारे में क्या कहते हैं कि वह विश्वासयोग्य पुरुषों और पुरनियों के साथ कैसे व्यवहार करते हैं?

वह विश्वासयोग्य पुरुषों से बोलने की शक्ति और पुरनियों से विवेक की शक्ति हर लेते हैं।

अथूब 12:23

अथूब परमेश्वर के बारे में जातियों से क्या कहता है?

वह उन्हें बढ़ाते हैं या नाश करते हैं, और उन्हें फैलाते हैं या बँधुआई में ले जाते हैं।

अथूब 12:24

जब परमेश्वर पृथ्वी के मुख्य लोगों की बुद्धि उड़ा देते हैं, तो उनके साथ क्या होता है?

वह उनको निर्जन स्थानों में जहाँ रास्ता नहीं है, भटकाते हैं।

अथूब 13:2

अथूब अपने समझ की तुलना अपने मित्रों के समझ से कैसे करते हैं?

अथूब कहते हैं कि उनके पास भी वही जानकारी है जो दूसरों के पास है, और वह उनसे कुछ कम नहीं है।

अथूब 13:3

अथूब अपने मित्रों के बजाय किससे बात करना पसंद करेगे और क्यों?

वे सर्वशक्तिमान से बात करना पसंद करेंगे क्योंकि अथूब परमेश्वर के साथ वाद-विवाद करना चाहते हैं।

अथूब 13:5

अथूब अपने मित्रों के चुप रहने की इच्छा के बारे में क्या कहते हैं?

वह कहते हैं कि उनके दोस्तों के चुप रहने से वे बुद्धिमान ठहरते हैं।

अथूब 13:6

अथूब अपने मित्रों को क्या बताना चाहते हैं?

वह चाहते हैं कि वे उनकी विवाद सुने और उनके विनती की बातों पर कान लगाएं।

अथूब 13:10

क्या परमेश्वर अथूब के मित्रों के पक्षपात को स्वीकार करेंगे?

नहीं, अगर वे पक्षपात दिखाते तो वह उन्हें निश्चय डाँटे लगाते।

अथूब 13:12

अथूब अपने मित्रों की नीतिवचन और उनके गढ़ के बारे में क्या विचार रखते हैं?

वे कहते हैं कि उनकी नीतिवचन राख के समान हैं, और उनकी गढ़ मिट्टी ही के ठहरे हैं।

अथूब 13:13

अथूब अपने मित्रों से क्या अनुरोध करते हैं ताकि वह बोल सकें?

अथूब उनसे अनुरोध करते हैं कि वे उनसे बात करना छोड़ दें और उन्हें बोलने दें।

अथूब 13:16

अथूब को क्यों लगता है कि उन्हें निर्दोष ठहराया जाएगा?

वे परमेश्वर के सामने एक भक्तिहीन जन की तरह नहीं आते।

अथूब 13:18

अथूब ने क्या तैयारी की है?

उन्होंने अपनी मुकद्दमे की पूरी तैयारी की है।

अथूब 13:21

अथूब क्या चाहते हैं कि परमेश्वर उनसे दूर कर लें?

अथूब चाहते हैं कि परमेश्वर अपनी ताड़ना उनसे हटा लें और अपने भय से उन्हें भयभीत न करें।

अथूब 13:24

परमेश्वर अथूब के साथ किस प्रकार का व्यवहार करते हैं?

वह अथूब को अपने शत्रु के समान गिनते हैं।

अथूब 13:28

अथूब कहते हैं कि वह किन व्यर्थ चीजों के समान हैं?

वह एक सड़ी-गली वस्तु के तुल्य है जो नाश हो जाती है, और कीड़ा खाए कपड़े के तुल्य है।

अथूब 14:2

अथूब कैसे कहते हैं कि मनुष्य फूल के समान है?

मनुष्य फूल के समान खिलता, फिर तोड़ा जाता है।

अथूब 14:5

मनुष्य के दिन कौन नियुक्त करता है?

परमेश्वर ने उनके दिनों और महीनों की गिनती नियुक्त की है।

अथूब 14:7

अथूब कटे हुए वृक्ष के बारे में क्या कहते हैं?

कटे हुए वृक्ष के लिए आशा रहती है, क्योंकि वह फिर से पनपेगा।

अथूब 14:12

क्या अथूब कहता है कि मनुष्य पुनः उठ सकता है?

वे कहते हैं कि लोग फिर नहीं उठते हैं और उसकी नींद नहीं टूटेगी।

अथूब 14:13

अथूब चाहते हैं कि परमेश्वर उन्हें कहाँ छिपा दे?

अथूब चाहते हैं कि परमेश्वर उन्हें अधोलोक में छुपा दे, ताकि वे परशानियों से दूर रहें।

अथूब 14:17

यदि परमेश्वर का कोप समाप्त हो जाए, तो परमेश्वर अथूब के अपराध और अधर्म का कैसे न्याय करेंगे?

परमेश्वर अथूब के अपराधों को एक छाप लगी हुई थैली में बंद कर देंगे, और अथूब के अधर्म को ढक देंगे।

अथूब 14:19

समय के साथ जल क्या अद्भुत कार्य कर सकता है?

पानी पत्थरों को घिस सकता है।

अथूब 14:21

एक मृत व्यक्ति अपने पुत्रों (अपने बच्चों) के बारे में किन बातों का हाल नहीं जानता?

यदि पुत्रों की बड़ाई होती है या उनकी घटी होती है, तो उन्हें इसका हाल नहीं जानता।

अथूब 15:2

एक बुद्धिमान व्यक्ति को अपने अन्तःकरण को किससे नहीं भरना चाहिए?

उन्हें अपने आप को पूर्वी पवन से नहीं भरना चाहिए।

अथूब 15:4

एलीपज को क्यों लगता है कि अथूब के बयानों ने परमेश्वर का अपमान किया है?

वह सोचता है कि अथूब भय मानना छोड़ देता है और परमेश्वर की भक्ति करना औरों से भी छुड़ाता है।

अथूब 15:9

क्या एलीपज को लगता है कि अथूब को कुछ ऐसा समझ है जो अन्य मित्रों को नहीं है?

वह नहीं सोचते कि अथूब वह जानते हैं जो वे नहीं जानते, या कि वह वह समझते हैं जो वे नहीं समझते।

अथूब 15:10

एलीपज पूछता है कि कौन लोग अथूब के दोस्तों से सहमत हैं?

एलीपज और उनके दोस्तों के साथ वे पक्के बाल वाले और अति पुरनिये मनुष्य हैं जो अथूब के पिता से भी बहुत आयु के हैं।

अथूब 15:13

एलीपज का मानना है कि अथूब ने क्या किया है?

वह सोचता है कि अथूब ने अपनी आत्मा को परमेश्वर के विरुद्ध कर लिया है।

अथूब 15:15

परमेश्वर अपने पवित्रों और स्वर्ग को किस दृष्टि से देखते हैं?

वह अपने पवित्रों पर भी विश्वास नहीं करते, और स्वर्ग भी उनकी दृष्टि में निर्मल नहीं है।

अथूब 15:17-18

एलीपज को वे बातें किससे प्राप्त हुईं जिन्हें वह अथूब को बताएंगे?

जो बातें उन्होंने देखी हैं, वे ऐसी बातें हैं जो बुद्धिमानों ने अपने पुरखाओं से सुनकर बिना छिपाए बताया है।

अथूब 15:21

दुष्ट जन पर विनाश कब आएगा?

नाश करनेवाला उस पर तब आएगा जब वह अपनी कुशल के समय में होगा।

अथूब 15:22

दुष्ट व्यक्ति के घात में क्या रहती है?
तलवार दुष्ट व्यक्ति के घात में रहती है।

अथूब 15:26

दुष्ट व्यक्ति किसके साथ परमेश्वर के विरुद्ध धावा करता है?
वह सिर उठाकर और अपनी मोटी-मोटी ढालें दिखाता हुआ
घमण्ड से परमेश्वर की ओर धावा करता है।

अथूब 15:28

दुष्ट व्यक्तियों के नगरों और घरों का क्या होगा?
वे खण्डहर होने को छोड़े गए हैं।

अथूब 15:30

दुष्टों को दूर करने का कारण क्या होगा?
वे परमेश्वर के मुँह की श्वास से उड़ जाएँगे।

अथूब 15:31

दुष्ट व्यक्ति को व्यर्थ बातों पर भरोसा करने से क्या
प्रतिफल होगा?
धोखा उनका प्रतिफल होगा।

अथूब 15:34

भक्तिहीन के भविष्य क्या होगा?

यह बंजर होगा, और आग से घूस लेने वाले की तम्बू जल
जाएँगे।

अथूब 16:2-3

अथूब ने अपने मित्रों द्वारा दी गई सांत्वना के बारे में क्या
कहा?

अथूब ने कहा वे निकम्मे शान्तिदाता है और अपनी व्यर्थ बातों
से उसे और अधिक दुखी कर रहे हैं।

अथूब 16:6

अथूब की बोलने की शैली उनके शोक को कैसे प्रभावित
करती है?
यदि वह बोलते हैं, तो उनका शोक नहीं घटता, और यदि वह
चुप रहते हैं, तो भी उनका दुःख कुछ कम नहीं होता।

अथूब 16:10

जब परमेश्वर अथूब की परीक्षा लेते हैं, तो अन्य लोग
उनके साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं?
वे अथूब को मुँह पसारते हुए देखते हैं, उन्हें गाल पर थप्पड़
मारते हैं, और उनके विरुद्ध भीड़ लगाते हैं।

अथूब 16:11

परमेश्वर ने अथूब को किसके वश में कर दिया है?
परमेश्वर ने उन्हें कुटिलों के वश में कर दिया है और उन्हें दुष्ट
लोगों के हाथ में फेंक दिया है।

अथूब 16:13

परमेश्वर ने अथूब को कैसे पीड़ा दी है?
उन्होंने अथूब के गुर्दे को बेधा है और उनके पित्त को भूमि पर
बहा दिया है।

अथूब 16:15

अथूब ने अपने दुख को प्रकट करने के लिए अपनी खाल
के साथ क्या किया है?
उन्होंने अपनी लचा पर टाट सी लिया है।

अथूब 16:19

अथूब का साक्षी और अथूब के लिए गवाही देने में कौन
सक्षम है?
अथूब का साक्षी स्वर्ग में है, और जो उनका गवाह है वह ऊपर
है।

अथूब 16:20

जब उनके मित्र उनसे धृणा करते हैं, तो अथूब किसकी ओर मुड़ते हैं?

अथूब परमेश्वर के सामने आँसू बहाते हैं।

अथूब 17:2

अथूब को हमेशा क्या देखना चाहिए?

उन्हें हमेशा उन ठट्ठा करनेवाले और उनका झगड़े - रगड़े को लगातार देखना चाहिए।

अथूब 17:3

अथूब परमेश्वर से कौन सी प्रतिज्ञा चाहते हैं?

वह चाहते हैं कि परमेश्वर स्वयं को अथूब के लिए एक जमानत के रूप में प्रतिज्ञा करें।

अथूब 17:5

किसके दुष्ट कार्यों के कारण उनके बच्चों की आँखें अंधी हो जाएंगी?

जो व्यक्ति इनाम के लिए अपने मित्रों को चुगली खाकर लूटा देता, वह अपने बच्चों की आँखों को अँथा कर देगा।

अथूब 17:7

दुख के कारण अथूब की आँखों और उसके अंग को क्या हुआ?

उनकी आँखों में धुंधलापन छा गया है और उनके सब अंग छाया के समान हो गए हैं।

अथूब 17:10

क्या अथूब यह सोचते हैं कि वे अपने मित्रों में से किसी बुद्धिमान व्यक्ति को ढूँढ़ सकते हैं?

अथूब जानते हैं कि उन्हें उनके बीच कोई बुद्धिमान पुरुष नहीं मिलेगा।

अथूब 17:11

क्या अथूब के पास भविष्य के लिए कोई योजना है?

अथूब की योजनाएँ समाप्त हो गई हैं, जैसे उनके मन की मनसाएँ मिट गई हैं।

अथूब 17:14

अथूब के माता-पिता और बहन के साथ क्या हुआ?

सङ्घट उनके पिता बन गया है, और कीड़ा उनकी माँ और बहन है।

अथूब 18:3

बिल्दद को क्यों लगा कि अथूब अपने मित्रों को तिरस्कार की दृष्टि से देखते हैं?

बिल्दद ने सोचा कि अथूब उन्हें पशु के तुल्य समझते हैं और यह मान रहे हैं कि वे मूर्ख हैं।

अथूब 18:5

दुष्ट व्यक्ति के दीपक का क्या परिणाम होगा?

उनकी दीपक बुझ जाती है; उनकी आग की लौ नहीं चमकेगी।

अथूब 18:8

दुष्ट व्यक्ति को किस चीज़ में फँसाया जाएगा?

वह अपना ही पाँव जाल में फँसाएगा, और वह फँदों पर चलेगा।

अथूब 18:9-10

दुष्ट व्यक्ति को क्या पकड़ेगा?

वह एक जाल, एक फँदा और एक जाल वाले रास्ते में फँस जाएगा।

अथूब 18:12

दुष्ट व्यक्ति के बल का क्या परिणाम होगा?

उन के बल दुःख से घट जाएंगी।

अथूब 18:14

दुष्ट पुरुष कहाँ अब नहीं रहेंगे?

वह अब अपने डेरे में नहीं रहेंगे, लेकिन स्वयं को बचाने में असमर्थ होंगे।

अथूब 18:16

दुष्ट मनुष्य के साथ क्या होगा, यह बताने के लिए बिलदद किस छवि का प्रयोग करते हैं?

वह दुष्ट मनुष्य को एक ऐसे पेड़ के रूप में वर्णित करते हैं जिसकी जड़ें जमीन के नीचे सूख जाएंगी और जिसकी डालियाँ ऊपर कट जाएँगी।

अथूब 18:19

क्या दुष्ट व्यक्ति के कोई कुटुम्बी होंगे?

उनके कुटुम्बियों में उनका कोई पुत्र-पौत्र न रहेगा, और न ही जहाँ वह रहते थे वहाँ कोई संबंधी बचा रहेगा।

अथूब 18:20

दुष्ट व्यक्ति के साथ जो होता है, उस पर लोग कैसे प्रतिक्रिया करते हैं?

दुष्ट व्यक्ति के साथ जो होता है, लोग उसे देखकर भयाकुल होंगे और उनके रोएँ खड़े हो जाएँगे।

अथूब 19:2

अथूब अपने मित्रों से क्या करने से मना करते हैं?

अथूब अपने मित्रों से कहते हैं कि वे उन्हें दुःख देना और अपने बातों से उन्हें चूर-चूर करना बंद करें।

अथूब 19:3

अथूब के मित्रों ने उनकी कितनी बार निन्दा की थी?

उन्होंने उनके साथ दस बार निन्दा की थी।

अथूब 19:4

यदि अथूब ने कोई भूल की है, तो यह किसकी सिर पर रहेगी?

अथूब कहते हैं कि उनकी भूल उनकी अपनी सिर पर रहेगी।

अथूब 19:6

अथूब कहते हैं कि परमेश्वर ने उनके साथ कैसा व्यवहार किया है?

अथूब कहते हैं कि परमेश्वर ने उन्हें गिरा दिया है और उन्हें अपने जाल में फँसा लिया है।

अथूब 19:7

जब अथूब सहायता के लिए पुकारते हैं क्योंकि उन्हें गिरा दिया गया है, तो क्या होता है?

उन्हें कोई नहीं सुनता है और कोई न्याय नहीं करता है।

अथूब 19:11

अथूब के अनुसार, परमेश्वर ने अथूब को किस प्रकार गिनते हैं?

अथूब कहते हैं कि परमेश्वर ने उन्हें अपने शत्रुओं में से एक गिना है।

अथूब 19:13-14

अथूब के कुटुम्बी और मित्रों के साथ क्या हुआ?

परमेश्वर ने उनके भाइयों को उनसे दूर कर दिया है, उनके जान-पहचान उनसे अलग हो गए हैं, उनके कुटुम्बी उन्हें छोड़ गए हैं, और उनके प्रिय मित्र उन्हें भूल गए हैं।

अथूब 19:16

जब अथूब उन्हें बुलाते हैं, तो अथूब का दास कैसे प्रतिक्रिया देता है?

जब अथूब अपने दास को बुलाते हैं, तो उनका दास नहीं बोलता है।

अथूब 19:19

अथूब के परम मित्र ने उनके साथ कैसा व्यवहार किया है?

उनके परम मित्र पलटकर उनके विरोधी हो गए।

अथूब 19:20

अथूब कैसे बचते हैं?
वह बाल-बाल बचते हैं।

अथूब 19:23-24

अथूब अपनी बातों का क्या परिणाम चाहते हैं?
वह चाहते हैं कि उनकी बातें लिखी जाए और पुस्तक में लिखी जाए, या लोहे की टाँकी और सीसे से वे सदा के लिये चट्टान पर खोदी जाए।

अथूब 19:25

अथूब क्या कहते हैं कि उन्हें क्या निश्चय है?
वह जानते हैं कि उनके छुड़ानेवाला जीवित है, और अंत में उनके छुड़ानेवाला पृथ्वी पर खड़े होंगे।

अथूब 19:26

अथूब कहते हैं कि जब उनका शरीर नाश हो जाएगा, तब क्या होगा?
अथूब अपने शरीर में होकर परमेश्वर का दर्शन पाएंगे।

अथूब 19:29

जलजलाहट क्या परिणाम लाता है?
जलजलाहट तलवार का दण्ड लाता है।

अथूब 20:1-3

सोपर ने अथूब को फुर्ती से उत्तर क्यों दिया?
उन्होंने अथूब को फुर्ती से उत्तर दिया क्योंकि वे अथूब की बातों से परेशान थे। वे अथूब की डाँट सुनते हैं और कहते हैं कि यह उन्हें निन्दा करता है।

अथूब 20:5

भक्तिहीनों का आनंद कितने समय तक रहता है?

भक्तिहीनों का आनंद केवल पल भर का होता है।

अथूब 20:7

दुष्ट व्यक्ति का नाश कैसे होगा?
वह सदा के लिये नाश हो जाएगा, जैसे विष्णा लुप्त हो जाता है।

अथूब 20:8

दुष्ट व्यक्ति कैसे जाएगा?
वह एक स्वप्न के समान लोप हो जाएगा, और रात में देखे हुए रूप के समान वह रहने न पाएगा।

अथूब 20:10

दुष्ट व्यक्ति के बच्चे क्या करेंगे?
उनके बच्चे कंगालों से विनती करेंगे।

अथूब 20:14

दुष्ट व्यक्ति के भीतर दुष्टता का क्या होता है?
उनके भोजन उसके पेट में पलटेगा, और उसके अन्दर नाग का सा विष बन जाएगा।

अथूब 20:15

उस धन का क्या होगा जिसे दुष्ट मनुष्य निगल जाएगा?
वह उन्हें फिर से पेट में से उगल देगा।

अथूब 20:17

दुष्ट व्यक्ति किसका आनंद लेने के लिए जीवित नहीं रहेगा?
वे परमेश्वर से मिलने वाले आशीषों की नदियों अर्थात् मधु और दही की नदियों को देखने न पाएगा।

अथूब 20:19

दुष्ट व्यक्ति क्यों आनंदित नहीं होंगे?

उन्होंने कंगालों को पीसकर छोड़ दिया है और उनकी उपेक्षा की है, और उसने वह घर को छीन लिया है जिसे उसने नहीं बनाया था।

अथूब 20:21

दुष्ट की कुशल क्यों बनी नहीं रहती?

यह बनी नहीं रहती क्योंकि कोई वस्तु उसका कौर बिना हुए न बचती थी।

अथूब 20:23

जब दुष्ट व्यक्ति अपना पेट भरने वाला होता है, तो परमेश्वर उसके साथ क्या करेंगे?

जब वह खा रहे होंगे, परमेश्वर उन पर अपने क्रोध भड़काएंगे।

अथूब 20:24

जब दुष्ट व्यक्ति लोहे के हथियार लेकर भागेगा तो क्या होगा?

वह पीतल के धनुष से मारा जाएगा।

अथूब 20:27

आकाश और पृथ्वी दुष्ट व्यक्ति के खिलाफ क्या करेंगे?

आकाश उनकी अधर्म प्रगट करेगा और पृथ्वी उसके विरुद्ध खड़ी होगी।

अथूब 20:28

दुष्ट व्यक्ति के साथ परमेश्वर के क्रोध के दिन क्या होगा?

उनके घर की बढ़ती जाती रहेगी और उनका सामान बह जाएगा।

अथूब 21:3

अथूब को क्या लगता है कि उनके बोलने के बाद उनके मित्र क्या करेंगे?

वह सोचते हैं कि वे उनका ठट्ठा करते रहेंगे।

अथूब 21:5

जब लोग अथूब को देखेंगे तो वे कैसी प्रतिक्रिया देंगे?

वे चित्त लगाकर चकित हो जाएंगे और अपनी-अपनी उँगली दाँत तले दबा लेंगे।

अथूब 21:6

जब अथूब अपने कष्टों को स्मरण करते हैं तो क्या होता है?

वह घबरा जाते हैं; उनकी देह काँपने लगती है।

अथूब 21:7

अथूब दुष्ट लोग के बारे में क्या प्रश्न करते हैं?

अथूब पूछते हैं कि क्या कारण है कि दुष्ट लोग जीवित रहते हैं, बूढ़े भी हो जाते हैं, और उनका धन बढ़ता जाता है?

अथूब 21:10

दुष्टों के साँड़ और गाय का क्या होता है?

साँड़ गाभिन करता और चूकता नहीं है और गायें बियाती हैं और बच्चा कभी नहीं गिराती है।

अथूब 21:14

दुष्ट परमेश्वर से क्या कहते हैं?

वे परमेश्वर से दूर जाने के लिए कहते हैं, क्योंकि वे उनके गति जानने की कोई इच्छा नहीं रखते।

अथूब 21:16

‘अथूब दुष्ट लोगों की विचार पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं?’

वे उनके विचार से दूर रहना चाहते हैं।

अथूब 21:19

अथूब किसे दुष्ट व्यक्ति के अधर्म के लिए दंडित करना चाहते हैं?

अथूब चाहते हैं कि दुष्ट व्यक्ति अपने अधर्म का बदला स्वयं चुकाए, न कि उसके बच्चे, ताकि वह अपने अधर्म को जान सके।

अथूब 21:22

क्या कोई परमेश्वर को ज्ञान सिखा सकता है?

नहीं, वह तो ऊँचे पद पर रहनेवालों का भी न्याय करते हैं।

अथूब 21:26

उस व्यक्ति के साथ क्या होता है जो बड़े चैन और सुख से रहता हुआ मर जाता है और उसके साथ जो जीव में कुढ़कुढ़कर मरता है?

वे दोनों बराबर मिट्टी में मिल जाते हैं, और कीड़े उन्हें ढांक लेते हैं।

अथूब 21:27

अथूब अपने मित्रों के कल्पनाएँ और युक्तियों के बारे में क्या समझते हैं?

वह उनके कल्पनाएँ और युक्तियों को जानते हैं जिनसे वे उनके विषय में अन्याय से करते हैं।

अथूब 21:30

यात्रा करने वाले लोगों ने दुर्जन के साथ क्या होते हुए देखा है?

उन्होंने देखा है कि दुर्जन विपत्ति के दिन सुरक्षित रखा जाता है, और महाप्रलय के समय के लिये ऐसे लोग बचाए जाते हैं।

अथूब 21:32

दुष्ट व्यक्ति की कब्र के लिए लोग क्या करेंगे?

लोग उस कब्र की रखवाली करते रहते हैं।

अथूब 21:34

अथूब पूछते हैं कि सोपर उन्हें किस चीज़ से शान्ति देने का प्रयास कर रहे थे?

अथूब कहते हैं कि सोपर उन्हें ऐसी बातों से शान्ति देने का प्रयास कर रहे थे जो झूठ थीं।

अथूब 22:3

एलीपज अथूब से पूछते हैं कि क्या उनके धर्मी होने से सर्वशक्तिमान के लिए कुछ कर सकती है?

वह पूछते हैं कि उनके धर्मी होने से क्या सर्वशक्तिमान सुख पा सकते हैं।

अथूब 22:4

एलीपज अथूब की परमेश्वर के प्रति भक्ति का उपहास कैसे करता है?

वह व्यंग्यपूर्वक कहता है कि यदि अथूब वास्तव में धार्मिक होते, तो परमेश्वर उन्हें दंडित नहीं करते।

अथूब 22:6

एलीपज अथूब पर नंगे के साथ क्या व्यवहार करने का आरोप लगाते हैं?

वह कहता है कि अथूब ने नंगे के वस्त्र उतार लिये हैं।

अथूब 22:9

एलीपज ने अथूब पर विधवाओं के साथ क्या करने का आरोप लगाया?

वह दावा करता है कि अथूब ने विधवाओं को खाली हाथ लौटा दिया।

अथूब 22:11

एलीपज का कहना है कि अंधियारे ने अथूब के साथ क्या किया है?

वह कहते हैं कि अथूब अंधियारे में हैं ताकि उन्हें पता न चले कि क्या करना है।

अथूब 22:14

एलीपज क्या दावा करता है कि अथूब ने परमेश्वर द्वारा लोगों को न देखे जाने के बारे में क्या कहा था?

अथूब कहते हैं, "काली घटाओं से वह ऐसा छिपा रहता है कि वह कुछ नहीं देख सकता।"

अथूब 22:16

दुष्ट मनुष्य के घर की नींव का क्या होता है?

दुष्ट मनुष्य के घर की नींव बाढ़ गाली नदी के द्वारा बहा दी गई है।

अथूब 22:19

धर्मी लोग दुष्टों का अंत देखकर कैसे प्रतिक्रिया करते हैं?

धर्मी लोग दुष्टों का अंत देखकर आनन्दित होते हैं।

अथूब 22:21

यदि अथूब परमेश्वर के साथ मेल मिलाप में हों तो क्या होगा?

यदि अथूब परमेश्वर के साथ मेल मिलाप में हैं, तो उससे उनकी भलाई होगी।

अथूब 22:23

एलीपज का कहना है कि यदि अथूब सर्वशक्तिमान के पास फिरके समीप जाए तो क्या होगा?

यदि अथूब सर्वशक्तिमान के पास फिरके समीप जाए, तो वे फिर से बन जाएंगे।

अथूब 22:26

जब अथूब सर्वशक्तिमान में सुख पाएंगे तो क्या होगा?

जब अथूब सर्वशक्तिमान में सुख पाएंगे, तो वे परमेश्वर की ओर अपना मुँह बेखटके उठा सकेंगे।

अथूब 22:29

परमेश्वर नम्र मनुष्य के लिए क्या करते हैं?

परमेश्वर नम्र मनुष्य को बचाते हैं।

अथूब 23:2

क्या अथूब ने कुड़कुड़ाना समाप्त कर दिया है?

नहीं। अथूब ने कहा कि और भी बहुत कुछ है जिसके बारे में वे कुड़कुड़ा सकते हैं।

अथूब 23:4

यदि अथूब परमेश्वर से मिल पाते तो वह उनके सामने क्या करते?

वे परमेश्वर के सामने अपना मुकद्दमा पेश करते और बहुत से प्रमाण देते।

अथूब 23:6

क्या अथूब सोचते हैं कि यदि वे परमेश्वर से मिल पाते, तो परमेश्वर अपना बड़ा बल दिखाकर उनके विरुद्ध मुकद्दमा लड़ते?

नहीं, उन्हें लगता है कि परमेश्वर उन पर निष्पक्ष रूप से ध्यान देंगे।

अथूब 23:9

अथूब पूछते हैं कि परमेश्वर दाहिनी ओर क्या कर रहे हैं?

अथूब कहते हैं कि दाहिनी ओर, परमेश्वर स्वयं को छिपाते हैं ताकि कोई यह न देख सके कि वे वहाँ क्या कर रहे हैं।

अथूब 23:10

अथूब परमेश्वर द्वारा उनको ता लेने से क्या परिणाम की आशा रखते हैं?

जब परमेश्वर अथूब को ता लेंगे, तब वह सोने के समान बाहर आएंगे।

अथूब 23:12

अथूब ने परमेश्वर के मुख के वचन का क्या किया है?

अथूब ने अपने हृदय में परमेश्वर के वचनों को अपनी इच्छा से कहीं अधिक काम के जानकर सुरक्षित रखा है।

अथूब 23:14

परमेश्वर अथूब के लिए क्या करेंगे?

परमेश्वर अथूब के लिए जो कुछ ठाना है उसको पूरा करेंगे।

अथूब 23:15

जब अथूब परमेश्वर के विषय में सोचते हैं, तो उन्हें कैसा अनुभव होता है?

जब अथूब परमेश्वर के बारे में सोचते हैं, तो वे घबरा जाते हैं।

अथूब 23:17

अथूब के चेहरे को क्या ढाँप लिया है?

घोर अंधकार ने अथूब के मुँह को ढाँप लिया है।

अथूब 24:1

अथूब के अनुसार कौन से समय सर्वशक्तिमान द्वारा नहीं ठहराया गया?

अथूब पूछते हैं कि सर्वशक्तिमान द्वारा दुष्टों के न्याय के लिए समय क्यों नहीं ठहराया गया।

अथूब 24:3

दुष्ट लोग अनाथों के गधहे के साथ क्या करते हैं?

वे अनाथों के गधहे को हाँक ले जाते हैं।

अथूब 24:5

गरीब लोग क्या आशा करते हैं कि जंगल उन्हें क्या प्रदान करेगा?

वे आशा करते हैं कि जंगल उनके बच्चों के लिए भोजन प्रदान करेंगे।

अथूब 24:7

जाड़े के समय में दीन लोग किन चीजों की कमी महसूस करते हैं?

जाड़े के समय में उनके पास कोई ओढ़ने का कपड़ा नहीं है।

अथूब 24:8

शरण की कमी के कारण दीन क्या उपाय अपनाते हैं?

वे शरण की कमी के कारण एक चट्टान से लिपट जाते हैं।

अथूब 24:10

दीन लोग दूसरों के लिए क्या करते हैं, भले ही वे खुद भूखे रहें?

यद्यपि वे भूखे रहते हैं, फिर भी वे दूसरों के पूलियाँ ढोते हैं।

अथूब 24:11

गरीब लोग अपनी प्यास के बावजूद दूसरों के लिए क्या करते हैं?

वे दुष्टों की दीवारों के भीतर तेल पेरते और उनके कुण्डों में दाख रौंदते हुए भी प्यासे रहते हैं।

अथूब 24:14

रात में खूनी का स्वभाव कैसा होता है?

रात में, खूनी एक चोर के समान बन जाता है।

अथूब 24:16

दुष्ट लोग दिन को क्यों छिपे रहते हैं?

दुष्ट लोग उजियाले की परवाह नहीं करते।

अथूब 24:17

दुष्ट किस का भय जानते हैं?

वे घोर अंधकार का भय जानते हैं।

अथूब 24:19

अधोलोक किसे निगल जाता है?

अधोलोक उन लोगों को निगल जाता है जिन्होंने पाप किए हैं।

अथूब 24:21

दुष्ट किसे लूटता है?

दुष्ट बाँझ स्त्री को जो कभी नहीं जनी लूटता है।

अथूब 24:22

परमेश्वर किसे अपनी ओर खींच लेते हैं?

परमेश्वर बलाकारियों को अपनी शक्ति से खींच लेते हैं।

अथूब 24:24

थोड़ी देर में बलाकारियों के साथ क्या होगा?

केवल थोड़ी ही देर में, बलाकारी जाते रहते हैं।

अथूब 25:2

परमेश्वर कहाँ शान्ति रखते हैं?

परमेश्वर ऊँचे-ऊँचे स्थानों में शान्ति रखते हैं।

अथूब 25:4बिलदद किससे पूछते हैं कि क्या वे धर्मी ठहर सकते हैं?
और परमेश्वर के सामने निर्मल हो सकते हैं?वह पूछते हैं कि क्या जो स्त्री से उत्पन्न हुआ, वह धर्मी और
परमेश्वर के सामने निर्मल हो सकता है।**अथूब 25:6**

बिलदद मनुष्य की तुलना किससे करते हैं?

वह कहते हैं कि मनुष्य एक कीड़े के समान है।

अथूब 26:4अथूब पूछते हैं कि बिलदद किसके हित के लिये बातें बोल
रहे हैं?अथूब कहते हैं कि बिलदद परमेश्वर के वचन नहीं बोल रहे हैं,
बल्कि अपने मन की बातें बोल रहे हैं।**अथूब 26:6**

परमेश्वर के सामने क्या ढँप नहीं सकता?

अधोलोक उसके सामने उघड़ा रहता है, और विनाश का
स्थान ढँप नहीं सकता।**अथूब 26:8**

परमेश्वर जल को कहाँ बाँध रखते हैं?

वह जल को अपनी काली घटाओं में बाँध रखते हैं।

अथूब 26:9

परमेश्वर चाँद को कैसे छिपाए रखते हैं?

वे बादल फैलाकर चाँद को छिपाए रखता है।

अथूब 26:12

परमेश्वर ने अपनी बल से किसे शान्त किया?

उन्होंने अपनी बल से समुद्र को शान्त किया।

अथूब 26:13परमेश्वर ने आकाशमण्डल को किसके माध्यम से स्वच्छ
किया?

अपनी आत्मा से, उन्होंने आकाशमण्डल को स्वच्छ किया है।

अथूब 26:14

लोग परमेश्वर के गति का कितना अंश देख सकते हैं?

लोग केवल परमेश्वर के गति के किनारों को ही देख पाते हैं।

अथूब 27:2अथूब कहता है कि परमेश्वर ने उनका क्या बिगाड़ दिया
है?

परमेश्वर ने उनका न्याय बिगाड़ दिया है।

अथूब 27:4

अथूब ने क्या प्रतिज्ञा की कि उनके मुँह से कुछ नहीं निकलेगी?

अथूब प्रतिज्ञा करते हैं कि निश्चित रूप से उनके मुँह से कोई कुटिल बात न निकलेगी।

अथूब 27:6

अथूब के मन उसे कितने समय तक दोषी नहीं ठहराएगा?

उनका मन जीवन भर उन्हें दोषी नहीं ठहराएगा।

अथूब 27:8

अथूब क्या कहते हैं कि परमेश्वर भक्तिहीन मनुष्य का प्राण लेते समय क्या करते हैं?

जब परमेश्वर उनके प्राण लेते हैं, तो परमेश्वर उन्हें उन गलतियों के लिए दंडित करेंगे जो उन्होंने की हैं।

अथूब 27:11

अथूब सर्वशक्तिमान परमेश्वर से क्या नहीं छिपाएंगे?

अथूब ने कहा कि वह सर्वशक्तिमान परमेश्वर की बात को नहीं छिपाएंगे।

अथूब 27:14

दुष्ट व्यक्ति की सन्तान को किस चीज की कमी होगी?

उनकी सन्तान कभी पेट भर रोटी न खाने पाएगी।

अथूब 27:15

दुष्ट की विधवाएँ उसके लिए क्या नहीं करेगी?

उसकी विधवाएँ उसके लिए नहीं रोएँगी।

अथूब 27:17

दुष्ट व्यक्ति का रूपया का क्या होगा?

निर्दोष लोग आपस में दुष्ट व्यक्ति का रूपया बाँटेगे।

अथूब 27:19

दुष्ट मनुष्य जब धनी होकर लेट जाता है, तो अपनी आँख खोलते ही क्या देखता है?

वह अपनी आँख खोलते ही वह जाता रहेगा।

अथूब 27:21

पूर्वी वायु दुष्ट व्यक्ति को कैसे दूर ले जाती है?

पूर्वी वायु उसे ऐसा उड़ा ले जाएगी, और वह जाता रहेगा और उसको उसके स्थान से उड़ा ले जाएगी।

अथूब 27:22

जब पूर्वी हवा नहीं रुकती है, तो दुष्ट व्यक्ति क्या करने का प्रयास करता है?

वह उसके हाथ से भाग जाना चाहेगा।

अथूब 28:2

पीतल को क्या पिघलाकर बनाया जाता है?

पीतल को पत्थर पिघलाकर बनाया जाता है।

अथूब 28:3

मनुष्य दूर-दूर तक खोद-खोदकर क्या ढूँढ़ते हैं?

मनुष्य अंधियारे को दूर कर, दूर-दूर तक खोद-खोदकर, अंधियारे और घोर अंधकार में पत्थर ढूँढ़ते हैं।

अथूब 28:4

मनुष्य कहाँ खानि खोदते हैं?

वह खानि को उस स्थान से दूर खोदते हैं जहाँ लोग रहते हैं।

अथूब 28:6

पृथ्वी की धूलि में क्या-क्या समाहित होता है?

पृथ्वी की धूलि में सोना पाया जाता है।

अथूब 28:8

पुरुष के खानि के मार्ग में कौन पाँव नहीं धरा है?

हिसक पशुओं ने उस मार्ग में पाँव नहीं धरा है।

अथूब 28:10

पुरुष चट्टान खोदकर नालियाँ बनाते हैं, उनमें वे क्या देखते हैं?

उनकी आँखों को हर एक अनमोल वस्तु दिखाई देती है।

अथूब 28:13

बुद्धि और समझ कहाँ नहीं मिलती?

ये दोनों ही जीवनलोक में नहीं मिलती।

अथूब 28:17

बुद्धि और समझ की कीमत के बराबर क्या ठहर सकता?

न सोना, न काँच उसके बराबर ठहर सकता है।

अथूब 28:18

बुद्धि का मोल किस रत्न से अधिक है?

बुद्धि का मोल माणिक से भी अधिक होता है।

अथूब 28:21

बुद्धि किनकी आँखों से छिपी हुई है?

बुद्धि सब प्राणियों की आँखों से छिपी है।

अथूब 28:23

बुद्धि का स्थान किसको मालूम है?

परमेश्वर बुद्धि का मार्ग को समझते हैं और उसके स्थान को जानते हैं।

अथूब 28:25

परमेश्वर ने क्या नापकर ठहराया?

उन्होंने जल को नपुए में नापकर ठहराया।

अथूब 28:26

परमेश्वर ने किसके लिए एक विधि ठहराया?

उन्होंने मेंह के लिये एक विधि ठहराया।

अथूब 28:28

परमेश्वर ने लोगों से क्या कहा कि बुद्धि क्या है?

लोगों से, परमेश्वर ने कहा, "देख, प्रभु का भय मानना यही बुद्धि है।"

अथूब 29:2

क्या अथूब को वह बीते हुए महीने याद है जब परमेश्वर ने उनकी रक्षा की थी?

अथूब को याद है कि बीते हुए महीनों में परमेश्वर ने उनकी रक्षा की थी।

अथूब 29:4

अथूब के जवानी के दिनों में उसके डेरे में क्या था?

अथूब अपने जवानी के दिनों को याद करते हैं जब परमेश्वर की मित्रता उनके डेरे पर प्रगट होती थी।

अथूब 29:6

अतीत में चट्टान ने अथूब के लिए क्या बहाती थीं?

जब सर्वशक्तिमान अथूब के साथ थे, तब उनके लिए चट्टानों से तेल की धाराएँ बहा करती थीं।

अथूब 29:8

जवान ने शहर के चौक में अथूब के प्रति आदर कैसे प्रकट किया?

उन्होंने अथूब को देखा और सम्मानपूर्वक उनसे छिप जाते थे।

अथूब 29:9

जब अथूब आए, तो अतीत में हाकिम ने क्या किया?
जब वह आते थे तो हाकिम लोग भी बोलने से रुक जाते थे।

अथूब 29:10

जब अथूब आए, तो प्रधान लोग की जीभ कैसे बंद हो गई?
उनकी जीभ तालू से सट जाती थी।

अथूब 29:11

अथूब को देखने के बाद प्रधान लोग क्या करते थे?
वे अथूब के विषय साक्षी देते थे और उन्हें धन्य कहते थे।

अथूब 29:13

अथूब ने विधवा के हृदय को किस कार्य के लिए प्रेरित किया?
उनके कारण विधवा हृदय में आनन्द के मारे गाती थी।

अथूब 29:16

अथूब ने उस व्यक्ति के लिए क्या किया था जिसे वह नहीं पहचानते थे?
वह उस व्यक्ति के मुकद्दमे का हाल मैं पूछताछ करके जान लेते थे जिसे वह नहीं पहचानते थे।

अथूब 29:17

अथूब कुटिल मनुष्यों के मुँह से किसे छीनेंगे?
उन्होंने उनका शिकार उनके मुँह से छीनकर बचा लेते थे।

अथूब 29:20

अथूब पूछते हैं कि उनके हाथ में सदा नया क्या होता है?
उनका धनुष उनके हाथ में सदा नया होता जाएगा।

अथूब 29:23

लोग अथूब से बरसात की तरह पीने के लिए किसकी प्रतीक्षा कर रहे थे?
उन्होंने उनके बातें इस प्रकार ग्रहण किया जैसे वे अन्त की वर्षा के लिए अपना मुँह पसारे रहते हैं।

अथूब 29:25

विलाप के समय अथूब अपनी तुलना किससे करता है?
वह कहते हैं कि वे उस व्यक्ति के समान हैं जो सेना में राजा या विलाप करनेवालों के बीच शान्तिदाता बनते हैं।

अथूब 30:1

अथूब की हँसी कौन करते हैं?
जो लोग अथूब से कम हैं, वे उनकी हँसी करते हैं।

अथूब 30:3

युवकों के पिता दुबले क्यों थे?
वे दरिद्रता और काल के मारे दुबले पड़े हुए हैं।

अथूब 30:5

युवकों के पिताओं को कहाँ से निकाला जाता था?
उनके पिताओं को मनुष्यों के बीच में से निकाला जाता था।

अथूब 30:8

अथूब युवकों के पिताओं का उल्लेख किस के वंश के रूप में करते हैं?
अथूब कहते हैं कि वे मूर्खों और नीच लोगों के वंश हैं जो मार-मार के इस देश से निकाले गए थे।

अथूब 30:9

अथूब वर्घ मनुष्यों के पुत्रों के लिए क्या बन गए थे?
अथूब उनके लिए ताना का विषय बन गए थे।

अथूब 30:11

लोग अब अथूब के सामने क्या प्रस्तुत करते हैं?
इन लोगों ने उनके सामने मुँह में लगाम नहीं रखते हैं।

अथूब 30:13

लोग अथूब की विपत्ति को क्यों बढ़ा सकते हैं?
वे उनकी विपत्ति को बढ़ाते हैं क्योंकि उनका कोई सहायक नहीं है।

अथूब 30:15

अथूब के अनुसार वायु से क्या उड़ाया गया है?
उनकी रईसपन वायु से उड़ाया गया है।

अथूब 30:16

अथूब का जीवन उसके भीतर झूबा जाता और उसे किस चीज़ ने जकड़ लिया है?
उनको दुःख के दिनों ने जकड़ लिया है।

अथूब 30:18

अथूब कहते हैं कि उनके वस्त का रूप कैसे बदल गया है?
बीमारी की बहुतायत से उनके वस्त का रूप बदल गया है।

अथूब 30:21

अथूब कैसे कहते हैं कि परमेश्वर बदल गए हैं?
परमेश्वर बदल गए हैं और उनके प्रति कठोर हो गए हैं; अपने बलवन्त हाथ से परमेश्वर उनको सताते हैं।

अथूब 30:23

अथूब को क्या निश्चय है कि सब जीवित प्राणियों के लिए ठहराया गया है?
वह निश्चय जानते हैं कि परमेश्वर उन्हें मृत्यु के वश में कर देंगे, उस घर में पहुँचाएंगे, जो सब जीवित प्राणियों के लिये ठहराया गया है।

अथूब 30:26

जब अथूब ने उजियाले की आशा की, तो क्या आया?
जब उन्होंने उजियाले की आशा की, तब इसके बजाय अंधकार छा गया।

अथूब 30:28

अथूब ने सहायता के लिए कहाँ खड़े होकर दुहाई दी?
वे सभा में खड़े होकर सहायता के लिये दुहाई दी।

अथूब 30:31

अथूब कहते हैं कि उनकी वीणा किस प्रकार के ध्वनि के लिए सुर में की गई है?
अथूब कहते हैं कि उनकी वीणा से विलाप के ध्वनि निकलती है।

अथूब 31:1

अथूब कहते हैं कि उनकी आँखों के विषय वाचा से कौन सी लालसा नियंत्रित हो जाती है?
अथूब ने अपनी आँखों के साथ एक वाचा बाँधी है कि वे लालसा के साथ किसी कुँवारी को नहीं देखेंगे।

अथूब 31:3

अथूब किसके लिए मानते थे कि विपत्ति निर्धारित थी?
अथूब मानते थे कि विपत्ति केवल कुटिल मनुष्यों के लिए होती है।

अथूब 31:6

अथूब परमेश्वर से क्या करने के लिए कहते हैं ताकि वे उनकी खराई को जान सकें?
वह चाहते हैं कि उन्हें एक धर्म के तराजू में तौला जाए, ताकि परमेश्वर उनकी खराई को जान सकें।

अथूब 31:8

यदि अथूब सही मार्ग से भटक गए हैं, तो वे उपज के साथ क्या होने की प्रार्थना करते हैं?

वह कहते हैं कि उपज को उनके खेत से उखाड़ डाली जाए।

अथूब 31:10

अथूब का कहना है कि यदि उनका हृदय किसी स्त्री पर मोहित हो गया है तो इसका क्या परिणाम होना चाहिए?

अथूब कहते हैं कि उनकी स्त्री किसी पराए पुरुष के लिए अनाज पीसे।

अथूब 31:12

अथूब कहते हैं कि यह महापाप किस प्रकार की आग के समान होता है?

अथूब कहते हैं कि यह वह आग है जो जलाकर भस्म कर देती है।

अथूब 31:15

परमेश्वर ने अपने दास व दासी और अथूब दोनों के लिए क्या किया?

परमेश्वर ने गर्भ में उन सभी को बनाया और सूरत रची थी।

अथूब 31:18

अथूब बताते हैं कि उन्होंने अपनी लड़कपन से अनाथों के साथ कैसा व्यवहार किया है?

उनका कहना है कि अनाथ बच्चा इस प्रकार पला जिस प्रकार पिता के साथ बड़ा हुआ हो।

अथूब 31:20

जिनके पास कपड़े नहीं हैं, उन्हें गर्म रखने के लिए क्या प्रदान किया जाना चाहिए?

उन्हें उनकी भेड़ों की ऊन के कपड़े से गर्म किया जाना चाहिए।

अथूब 31:22

यदि अथूब ने करुणा दिखाने में असफलता पाई है, तो वह अपने शरीर के किस अंग को हटाने की बात करते हैं?

अथूब कहते हैं कि उसकी बाँह कंधे से उखड़कर गिर जाए।

अथूब 31:24

लोग अच्छे सोने के बारे में क्या कह सकते हैं?

वे सोना से कह सकते थे, "यदि मैंने सोने का भरोसा किया होता।"

अथूब 31:28

यदि अथूब सूर्य या चन्द्रमा को दंडवत करते, तो वे किसका इन्कार कर रहे होते?

यदि उन्होंने दंडवत की होती, तो सर्वश्रेष्ठ परमेश्वर का इन्कार किया होता।

अथूब 31:30

अथूब ने अपने मुँह को पाप करने से कैसे बचाया?

अथूब ने अपने मुँह से पाप करने की अनुमति नहीं दी, कि वह अपने शत्रुओं के प्राणों की मांग करके श्राप दे।

अथूब 31:32

अथूब ने हमेशा परदेशी के लिए क्या किया था?

वह हमेशा परदेशी के लिए अपना द्वार खोलते थे।

अथूब 31:33

अथूब कैसे कहते हैं कि मनुष्य ने अपने अधर्म को छिपा लिया है?

अथूब कहते हैं कि मनुष्य आदम के समान अपना अपराध छिपाकर अपने अधर्म को ढाँप लिया है।

अथूब 31:35

अथूब क्या चाहते हैं जो उनके मुद्रई द्वारा लिखी गई ?

अथूब चाहते थे कि उनके मुद्दई द्वारा लिखा गया शिकायतनामा उनके पास हो।

अथूब 31:37

यदि अथूब के पास उनका शिकायतनामा होता, तो वे अपने मुद्दई के निकट कैसे जाते?

वह उनके निकट एक प्रधान के समान निडर जाते।

अथूब 31:40

यदि अथूब ने भूमि के मालिक का प्राण लिया हो, तो वह उपज के स्थान पर क्या उगाने को कहते हैं?

अथूब ने कहा कि गेहूँ के बदले झाड़बेरी और जौ के बदले जंगली धास उर्गें।

अथूब 32:1

जब तीनों पुरुषों ने यह देखा कि अथूब अपनी दृष्टि में निर्दोष है, तो उन्होंने क्या किया?

उन्होंने अथूब को उत्तर देना छोड़ दिया।

अथूब 32:2

जब अथूब ने परमेश्वर के बजाय अपने ही को निर्दोष ठहराया, तो एलीहू में कौन सी भावना उत्पन्न हुई?

एलीहू का क्रोध अथूब के प्रति भड़क उठा।

अथूब 32:3-5

एलीहू अथूब के तीन मित्रों से क्यों क्रोधित थे?

एलीहू अथूब के तीन मित्रों से क्रोधित थे क्योंकि वे अथूब को उत्तर न दे सके, फिर भी उन्होंने उसको दोषी ठहराया।

अथूब 32:6-7

एलीहू अथूब और उनके दोस्तों के सामने अपनी विचार बताने में संकोच और डर क्यों महसूस कर रहे थे?

एलीहू युवा थे और बाकी सभी आयु में बड़े थे, इसलिए उन्हें बुद्धि सिखाने में सक्षम होना चाहिए था।

अथूब 32:8

एलीहू किसे कहते हैं कि वे मनुष्य को समझने की शक्ति प्रदान करते हैं?

सर्वशक्तिमान परमेश्वर अपनी दी हुई साँस से उन्हें समझने की शक्ति देते हैं।

अथूब 32:9-10

एलीहू क्यों कहते हैं कि दूसरों को उन्हें सुनना चाहिए और उन्हें यह बताने की अनुमति देनी चाहिए कि वे क्या जानते हैं?

केवल बड़े-बड़े लोग ही बुद्धिमान नहीं होते, और केवल बूढ़े ही न्याय को नहीं समझते।

अथूब 32:11-12

अथूब के मित्र किस कार्य को करने में असमर्थ रहे, जबकि एलीहू ने उनके प्रमाण सुनने के लिये ठहरा रहा और चित्त लगाकर सुनता रहा?

अथूब के मित्र अथूब के पक्ष का खण्डन नहीं कर सके और न उनकी बातों का उत्तर दे सके।

अथूब 32:13

एलीहू कहते हैं कि जब तीन मित्र, जो स्वयं को बुद्धिमान समझते थे, ऐसा करने में सक्षम नहीं थे, तब अथूब का खण्डन कौन करेगा?

यह परमेश्वर ही हैं जिन्हें अथूब का खण्डन करेंगे।

अथूब 32:15-16

एलीहू क्या करने का निर्णय लेता है, क्योंकि तीनों मित्र चुपचाप खड़े हैं और अथूब को कुछ उत्तर नहीं दे सके?

एलीहू ने निर्णय लिया कि चूंकि तीनों मित्र चुपचाप खड़े हैं और अथूब को कुछ उत्तर नहीं दे सके, इसलिए वह अब और ठहरा नहीं रहेंगे।

अथूब 32:18

ऐसा क्या है जो एलीहू को अपना अपना विचार अथूब के साथ प्रगट करने के लिए उभार रही है?

आत्मा एलीहू को अपना विचार प्रगट करने के लिए उभार रही है।

अथूब 32:19

एलीहू बताते हैं कि वे अपने मन में कैसा महसूस कर रहे हैं?

वह कहते हैं कि उनका मन उस दाखमधु के समान है, जो खोला न गया हो; वह नई कुप्पियों के समान फटा जाता है।

अथूब 32:21-22

एलीहू कहते हैं कि यदि वे बोलें और किसी मनुष्य को चापलूसी की पदवी दें, तो उनके सृजनहार उनके साथ क्या करेंगे?

एलीहू कहते हैं कि उनके सृजनहार क्षण भर में उन्हें अपने पास उठा लें।

अथूब 33:1-3

एलीहू अथूब से क्यों विनती करते हैं कि वे उन बातों को सुनें जो वह कहेंगे?

एलीहू अथूब से सुनने की विनती करते हैं क्योंकि वे अपने मन की सिधाई से बोलेंगे।

अथूब 33:4

एलीहू को किसने बनाया है और उसे जीवन किससे मिलता है?

परमेश्वर की आत्मा ने एलीहू को बनाया है और सर्वशक्तिमान की साँस से उन्हें जीवन मिलता है।

अथूब 33:5

यदि अथूब एलीहू को उत्तर दे सकते हैं, तो एलीहू अथूब से क्या करने के लिए कहते हैं?

वह अथूब से कहते हैं कि वह अपनी बातें क्रम से रचकर एलीहू के सामने खड़े हों।

अथूब 33:6-7

एलीहू किस कारण से कहते हैं कि अथूब को उनसे डर के मारे घबराना न पड़ेगा या एलीहू से बोझ महसूस नहीं करना पड़ेगा?

एलीहू अथूब से कहते हैं कि वे परमेश्वर के सन्मुख में तुल्य हैं और दोनों मिट्टी से बनाए गए हैं।

अथूब 33:8-9

एलीहू ने अथूब को क्या कहते सुना था?

एलीहू ने सुना कि अथूब कह रहे थे कि वे पवित्र, निरपराध और निष्कलक हैं और उनमें कोई अधर्म नहीं है।

अथूब 33:10

अथूब उन पर दाँव करने के अवसर ढूँढ़ने और उन्हें शत्रु समझने के लिए किसे दोषी ठहराता है?

अथूब इन चीजों के लिए परमेश्वर को दोषी ठहराते हैं।

अथूब 33:12

एलीहू यह कैसे बताते हैं कि परमेश्वर की तुलना मनुष्य से कैसे की जा सकती है?

एलीहू कहते हैं कि परमेश्वर मनुष्य से बड़ा है।

अथूब 33:13

एलीहू क्यों कहते हैं कि परमेश्वर के विरुद्ध झागड़ना व्यर्थ है?

परमेश्वर को अपनी किसी बात का लेखा नहीं देना पड़ता।

अथूब 33:14-15

एलीहू कैसे बताते हैं कि परमेश्वर मनुष्य से बोलते हैं?

परमेश्वर स्वप्न में, या रात को दिए हुए दर्शन में, जब मनुष्य घोर निद्रा में पड़े रहते हैं, या बिछौने पर सोते समय मनुष्य से बोलते हैं।

अथूब 33:16-17

परमेश्वर मनुष्यों के कान क्यों खोलते हैं और उन्हें उनकी शिक्षा पर मुहर क्यों लगाते हैं?

परमेश्वर ऐसा इसलिए करते हैं ताकि मनुष्य को उसके संकल्प से रोके और गर्व को मनुष्य में से दूर करे।

अथूब 33:19-20

एलीहू बताते हैं कि पुरुष के बिछौने पर तड़प, हड्डी-हड्डी में लगातार झगड़ा, और स्वादिष्ट भोजन से धृणा होने का कारण क्या है?

एलीहू कहते हैं कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मनुष्य को दंडित किया जा रहा है।

अथूब 33:21-22

एलीहू कहते हैं कि जब किसी व्यक्ति को परमेश्वर द्वारा दंडित किया जा रहा होता है, तो उसके साथ क्या होता है?

उसका माँस ऐसा सूख जाता है, उसकी हड्डियाँ जो पहले दिखाई नहीं देती थीं निकल आती हैं और वह कब्र के निकट पहुँचता है।

अथूब 33:24

बिचर्वई स्वर्गदूत किसी व्यक्ति को गड्ढे में जाने से बचाने के लिए परमेश्वर से क्या कह सकता है?

बिचर्वई स्वर्गदूत परमेश्वर से कह सकते हैं, "मुझे छुड़ाती मिली है।"

अथूब 33:25

उस व्यक्ति के देह का क्या होगा जिसे गड्ढे में गिरने से बचाया गया है?

उनका देह एक बालक के समान स्वस्थ और कोमल हो जाएगी।

अथूब 33:28

उस व्यक्ति के जीवन का क्या होगा जो अपने पापों को स्वीकार करता है और परमेश्वर द्वारा प्राण कब्र में पड़ने से बचाए जाते हैं?

उस व्यक्ति का जीवन उजियाले को देखेगा।

अथूब 33:29-30

एलीहू क्यों कहते हैं कि परमेश्वर मनुष्य को कब्र से बचाते हैं?

परमेश्वर ऐसा करते हैं ताकि वह जीवनलोक के उजियाले का प्रकाश पाए।

अथूब 33:33

यदि अथूब सुनें और चुप रहें, तो एलीहू अथूब को क्या सिखाना चाहते हैं?

एलीहू अथूब को बुद्धि की बात सिखाना चाहते हैं।

अथूब 34:1-3

एलीहू किससे अपने बातें सुनने और उस पर कान लगाने का अनुरोध कर रहे हैं?

एल्लु चाहते हैं कि बुद्धिमान और ज्ञानी उनकी बात सुनें।

अथूब 34:4

एलीहू क्या चाहते हैं कि दूसरे लोग स्वयं क्या चुनें और समझ-बूझ लें?

एलीहू चाहते हैं कि वे जो कुछ ठीक है अपने लिये चुन लें और यह जानें कि क्या भला है।

अथूब 34:5

अथूब क्या कहते हैं कि परमेश्वर ने उनसे क्या मार दिया है, भले ही वे निर्दोष हैं?

अथूब कहते हैं कि परमेश्वर ने उनका उनसे हक्क मार दिया है।

अथूब 34:8

एलीहू के अनुसार अथूब किसके साथ संगति रखते हैं?

वह कहते हैं कि अथूब उन लोगों की संगति में रहते हैं जो दुष्ट मनुष्य हैं।

अथूब 34:10-12

एलीहू समझवालों से क्या कहते हैं कि परमेश्वर क्या नहीं करते?

परमेश्वर दुष्टता का काम नहीं करते, बुराई नहीं करते, और वह अन्याय नहीं करते हैं।

अथूब 34:13-15

एलीहू कहते हैं कि यदि परमेश्वर अपनी आत्मा और अपनी श्वास को वापस ले लें, तो क्या होगा?

तो सब देहधारी एक संग नाश हो जाएँगे, और मनुष्य फिर मिट्टी में मिल जाएगा।

अथूब 34:17

एलीहू के प्रश्न से अथूब किसको दुष्ट ठहरा रहे हैं?

वह संकेत करते हैं कि अथूब परमेश्वर को दुष्ट ठहरा रहे हैं, जो पूर्ण धर्मी हैं।

अथूब 34:19

एलीहू किसे परमेश्वर के हाथों का बनाए हुए बताते हैं?

सभी लोग, चाहे वे धनी हों या कंगाल, परमेश्वर के हाथों का बनाए हुए हैं।

अथूब 34:21

एलीहू कहते हैं कि परमेश्वर क्या देखते रहते हैं?

परमेश्वर की ओँखें मनुष्य की चाल चलन पर लगी रहती हैं, और वह उसकी सारी चाल को देखते रहते हैं।

अथूब 34:25

परमेश्वर रात में उन बड़े-बड़े बलवानों के साथ क्या करते हैं जिनके कामों को भली भाँति वे जानते हैं?

परमेश्वर रात में उन्हें उलट देते हैं और वे चूर-चूर हो जाते हैं।

अथूब 34:26

परमेश्वर उन लोगों के साथ क्या करेंगे जो अपराधियों की तरह दुष्ट कर्म करते हैं और कंगालों की दुहाई को उनके पास लाते हैं?

परमेश्वर उन्हें दुष्ट जानकर सभी के देखते मारते हैं।

अथूब 34:29

परमेश्वर किस पर व्यवहार करते हैं?

परमेश्वर जाति भर के साथ और अकेले मनुष्य, दोनों के साथ बराबर व्यवहार करते हैं।

अथूब 34:31-32

एलीहू क्या सुझाव दे रहे हैं कि अथूब को परमेश्वर के सामने क्या स्वीकार करना चाहिए?

एलीहू सुझाव देते हैं कि अथूब को यह स्वीकार करना चाहिए कि वह दोषी हैं और उन्होंने बुराई किया है, लेकिन अब और नहीं करेंगे।

अथूब 34:34-35

बुद्धिमान लोग अथूब के बारे में क्या कहेंगे?

वे कहेंगे कि अथूब ज्ञान की बातें नहीं कहता, और न उसके वचन समझ के साथ होते हैं।

अथूब 34:37

एलीहू कहते हैं कि अथूब अपने पाप में क्या बढ़ा रहे हैं क्योंकि वह अनर्थकारियों के समान बातें कर रहे हैं?

वह कहते हैं कि अथूब अपने पाप में विरोध बढ़ा रहे हैं।

अथूब 35:1-2

एलीहू का तात्पर्य है कि अथूब स्वयं की तुलना परमेश्वर से करके क्या दावा करते हैं?

एलीहू का तात्पर्य है कि अथूब सोचते हैं कि वे निर्दोष हैं, और उनकी धार्मिकता परमेश्वर की धार्मिकता से अधिक है।

अथूब 35:5

एलीहू अथूब और उनके दोस्तों से क्या देखने के लिए ऊपर देखने को कहते हैं?

एलीहू उनसे कहते हैं कि ऊपर आकाश की ओर दृष्टि करके देखें।

अथूब 35:8

अथूब की दुष्टता या उनकी धार्मिकता का दूसरे मनुष्य पर क्या प्रभाव हो सकता था?

अथूब की दुष्टता एक मनुष्य को नुकसान पहुँचा सकती है और उनकी धार्मिकता मनुष्यमात्र को फल ला सकता है।

अथूब 35:9

लोग बलवान के बाहुबल से सहायता के लिए क्यों चिल्लाते हैं?

दूसरों द्वारा उन पर किए गए बहुत अंधेर होने के कारण, और बलवान के बाहुबल के कारण वे दुहाई देते हैं।

अथूब 35:10-11

एलीहू कौन सी बातें कहते हैं जो परमेश्वर लोगों के लिए कर सकते हैं, भले ही कोई इसे स्वीकार न करे?

परमेश्वर हमें शिक्षा देते हैं और हमें अधिक बुद्धि देते हैं।

अथूब 35:12

एलीहू क्यों कहते हैं कि जब लोग परमेश्वर को दुहाई देते हैं तो वे उत्तर नहीं देते?

एलीहू कहते हैं कि परमेश्वर तब उत्तर नहीं देते जब लोग घमण्ड के कारण बुरे काम में लगे रहते हैं और उन्हें दुहाई देते हैं।

अथूब 35:13

परमेश्वर किन बातों को कभी नहीं सुनेंगे?

वह निश्चित रूप से उन प्रार्थनाओं को नहीं सुनेंगे जिनमें व्यर्थ बातें होती हैं।

अथूब 35:16

एलीहू अथूब पर क्या आरोप लगाते हैं जब अथूब अपना मुँह खोलते हैं?

वह कहते हैं कि अथूब अपना मुँह अज्ञानता की बातें करने और व्यर्थ शब्दों का ढेर लगाने के लिए खोलते हैं।

अथूब 36:3

एलीहू किसको धर्मी ठहरा रहे हैं?

एलीहू अपने सृजनहार को धर्मी ठहरा रहे हैं।

अथूब 36:6

दीनों के लिए परमेश्वर क्या करते हैं?

वह दीनों को उनका हङ्क देते हैं।

अथूब 36:7

परमेश्वर धर्मियों के लिए क्या करते हैं?

वह उनको राजाओं के संग सदा के लिये सिंहासन पर बैठाते हैं, और वे ऊँचे पद को प्राप्त करते हैं।

अथूब 36:9

परमेश्वर उन लोगों पर क्या प्रगट करते हैं जो बेड़ियों में जकड़े हैं और दुःख की रस्सियों से बँधे हुए हैं?

वह उन्हें बताते हैं कि उन पर उनके काम, और उनका यह अपराध प्रगट करते हैं, कि उन्होंने गर्व किया है।

अथूब 36:11

जो लोग परमेश्वर की सुनते हैं और उनकी सेवा करते हैं, उनके साथ क्या होगा?

वे अपने दिन कल्याण से, और अपने वर्ष सुख से पूरे करते हैं।

अथूब 36:12

जो लोग परमेश्वर की बात नहीं सुनते, उनके साथ क्या होगा?

वे तलवार से नाश हो जाते हैं, और अज्ञानता में मरते हैं।

अथूब 36:13-14

जो लोग भक्तिहीन होकर रहते हैं, अपना क्रोध बढ़ाते हैं और सहायता के लिए परमेश्वर को दुहाई नहीं देते, उनके साथ क्या होता है?

वे जवानी में मर जाते हैं और उनका जीवन लुच्चों के बीच में नाश होता है।

अथूब 36:15-16

एलीहू कैसे कहते हैं कि परमेश्वर दुःख और उपद्रव का उपयोग करते हैं?

परमेश्वर दुःखियों को उनके दुःख से छुड़ाता है, और उपद्रव में उनका कान खोलता है।

अथूब 36:16

एलीहू क्या कहते हैं कि परमेश्वर अथूब के लिए क्या करना चाहते हैं?

परमेश्वर अथूब को उनकी क्लेश के मुँह में से निकालकर ऐसे चौड़े स्थान में जहाँ सकेती नहीं है, पहुँचाना चाहते हैं।

अथूब 36:17

अथूब ने क्या किया है?

उन्होंने दुष्टों का सा निर्णय किया है।

अथूब 36:18

कौन सी चीजें अथूब को ठट्ठा करा सकती हैं और उन्हें न्याय के मार्ग से मुड़ा सकती हैं?

परमेश्वर के प्रति जलजलाहट अथूब को ठट्ठा करा सकती हैं और बड़ी घूस से उनकी क्षमा नहीं खरीदी जा सकती थी।

अथूब 36:19

कौन सी चीजें अथूब को उनकी दुःख से छुटकारा नहीं दे सकतीं?

अथूब का रोना और ना उनका बल उन्हें उनकी दुःख से छुटकारा नहीं दे सकतीं।

अथूब 36:21

एलीहू अथूब को चौकस रहने के लिए क्यों कहते हैं?

वह कहते हैं कि अथूब परमेश्वर के प्रति अनर्थ काम करना चुनते हैं, बजाय इसके कि वह यह सीखे कि परमेश्वर उन्हें दुःख के माध्यम से क्या सिखाना चाहते हैं।

अथूब 36:23

परमेश्वर के बारे में क्या नहीं कहा जा सकता?

कोई नहीं कह सकता कि परमेश्वर ने अनुचित काम किया है।

अथूब 36:26

परमेश्वर के बारे में ऐसी कौन-सी बातें हैं जो हमारे ज्ञान से कहीं परे हैं?

उनके वर्ष की गिनती अनन्त है, हम उनके वर्षों की गणना नहीं कर सकते।

अथूब 36:27-28

परमेश्वर मेंह कैसे बरसाते हैं?

वह तो जल की बैंदं ऊपर को खींच लेते हैं, वे कुहरे से मेंह होकर टपकती हैं, वे ऊँचे-ऊँचे बादल उण्डेलते हैं और मनुष्यों के ऊपर बहुतायत से बरसाते हैं।

अथूब 36:30-31

एलीहू ने ऐसा क्यों कहा कि परमेश्वर उजियाले को फैलाते हैं और समुद्र की थाह को ढाँप देते हैं?

वह अपने उजियाले को चहुँ और फैलाते हैं, और समुद्र की थाह को ढाँप देते हैं, क्योंकि वह देश-देश के लोगों का न्याय इन्हीं से करते हैं, और भोजनवस्तुएँ बहुतायत से देते हैं।

अथूब 36:32-33

आने वाले अंधड के बारे में लोगों और पशु को क्या समाचार देती है?

बिजली लोगों और पशु को आने वाले अंधड के बारे में समाचार देती है।

अथूब 37:1-2

एलीहू का हृदय किस कारण काँपता है?

परमेश्वर के बोलने का शब्द और उनकी शब्द को जो उनके मुँह से निकलता है एलीहू के हृदय को काँपने पर विवश कर देती है।

अथूब 37:6

परमेश्वर हिम और मेंह को क्या करने के लिए आज्ञा देते हैं?

वह हिम को पृथ्वी पर गिरने का आज्ञा देते हैं, और मेंह को मूसलाधार वर्षा बनने का आज्ञा देते हैं।

अथूब 37:7

परमेश्वर सब मनुष्यों के हाथ पर मुहर क्यों कर देते हैं?

परमेश्वर उनके हाथ पर मुहर कर देते हैं ताकि सब मनुष्य उनको पहचानें।

अथूब 37:8-9

पशु किस कारण से गुफाओं में घुस जाते हैं और अपनी-अपनी माँदों में रहते हैं?

वे बवण्डर के कारण अपने गुफाओं में घुस जाते हैं और अपनी-अपनी माँदों में रहते हैं।

अथूब 37:10

परमेश्वर की श्वास की फूँक से क्या दिया जाता है?

परमेश्वर की श्वास की फूँक से बर्फ पड़ता है।

अथूब 37:13

परमेश्वर किन कारणों से बादलों को मार्गदर्शन देते हैं और उन्हें उनके आज्ञा का पालन करने के लिए प्रेरित करते हैं?

वे ताङ्ना देने के लिये, कभी अपनी पृथ्वी की भलाई के लिये या मनुष्यों पर करुणा करने के लिये वर्षा उपलब्ध कराने के लिए ऐसा करते हैं।

अथूब 37:14

एलीहू अथूब से किस विषय पर विचार करने का आग्रह करना चाहते हैं?

वह चाहते हैं कि अथूब चुपचाप खड़ा रहे और परमेश्वर के आश्र्यकर्मों के बारे में विचार करें।

अथूब 37:15

जब परमेश्वर बादलों को आज्ञा देते हैं तो क्या होता है?

परमेश्वर बादल की बिजली को चमकाते हैं।

अथूब 37:18

एलीहू आकाशमण्डल का वर्णन करने के लिए कौन सी छवि का उपयोग करते हैं?

वह कहते हैं कि आकाशमण्डल ढाले हुए दर्पण के तुल्य दृढ़ है।

अथूब 37:19

एलीहू ने ऐसा क्यों कहा कि वह और अन्य लोग परमेश्वर के सामने अपनी व्याख्यान ठीक नहीं रच सकते?

वे अपने मन के अंधियारे के कारण अपना व्याख्यान ठीक नहीं रच सकते।

अथूब 37:21

जब आकाशमण्डल शुद्ध होता है, तो लोग किस चीज़ को नहीं देख पाते?

आकाशमण्डल का बड़ा प्रकाश देखा नहीं जाता जब वह शुद्ध होता है।

अथूब 37:23

एलीहू क्या कहते हैं कि सर्वशक्तिमान लोगों के साथ क्या नहीं करते हैं?

सर्वशक्तिमान लोगों के साथ अत्याचार नहीं करते हैं।

अथूब 37:24

एलीहू किसके बारे में कहते हैं कि सर्वशक्तिमान दृष्टि
नहीं करते?

सर्वशक्तिमान उन लोगों पर दृष्टि नहीं करते जो अपनी दृष्टि में
बुद्धिमान हैं।

अथूब 38:1

यहोवा ने अथूब को किस माध्यम से उत्तर दिया?

यहोवा ने आँधी में से अथूब को उत्तर दिया।

अथूब 38:2

किसी ने किस प्रकार से युक्ति को बिगाड़ा?

अज्ञानता की बातें कहकर अथूब ने लोगों के लिए परमेश्वर के
युक्ति को समझना बिगाड़ा।

अथूब 38:3

जब यहोवा अथूब से प्रश्न करते हैं, तो वह अथूब से क्या
करने के लिए कहते हैं?

अथूब को एक पुरुष के समान अपनी कमर बाँधनी चाहिए
और यहोवा के प्रश्नों का उत्तर देना चाहिए।

अथूब 38:6-7

जब यहोवा ने पृथ्वी के कोने का पत्थर बैठाया, तब किसने
साथ में गाया और किसने आनन्द से जयजयकार की?

जब पृथ्वी की नींव रखी गई, तब भौर के तारे एक संग आनन्द
से गाते थे और परमेश्वर के सब पुत्र जयजयकार करते थे।

अथूब 38:8

यहोवा समुद्र की तुलना किससे करते हैं जब वह द्वार बन्द
होने के बाद फूट निकलता है?

परमेश्वर समुद्र के द्वार बन्द होने के बाद फूट निकलने की
तुलना गर्भ से बाहर आने के समान करते हैं।

अथूब 38:10-11

यहोवा ने समुद्र की सीमा बाँधने के लिए क्या व्यवस्था की
ताकि वह केवल उतनी ही आगे आ सके और उससे आगे
न बढ़ सके?

यहोवा ने समुद्र के लिए एक सीमा बाँधने के लिए बेंडे और
किवाड़े लगा दिए।

अथूब 38:14

जैसे मोहर के नीचे चिकनी मिट्टी बदलती है, वैसे ही पृथ्वी
का स्वरूप किस प्रकार बदल जाता है?

भौर का प्रकाश पृथ्वी को इस प्रकार बदल देता है कि उस पर
की सब वस्तुएँ मानो वस्तु पहने हुए दिखाई देती हैं।

अथूब 38:19-21

यहोवा ने अथूब का उपहास करते हुए क्या कहा कि उसे
उजियाले और आंधियारे के निवास के मार्ग के बारे में कुछ
भी पहचान नहीं?

यहोवा अथूब का उपहास करते हुए कहते हैं कि निःसन्देह
अथूब को इसके बारे में सब कुछ पता होगा क्योंकि वह उस
समय उत्पन्न हुए थे और वह बहुत आयु के हैं।

अथूब 38:22-23

यहोवा किस कारण से कहते हैं कि उन्होंने हिम और
ओलों के लिए भण्डार बनाए हैं?

यहोवा ने इन भण्डारों को संकट के समय और युद्ध तथा
लड़ाई के दिन के लिए रख छोड़ा है।

अथूब 38:25-27

यहोवा उस जंगल में मेंह क्यों बरसाते हैं जहाँ कोई व्यक्ति
नहीं होता?

वे निर्जन देश में और जंगल में जहाँ कोई मनुष्य नहीं रहता मेंह
बरसाकर, उजाड़ ही उजाड़ देश को सींचते, और हरी घास
उगाते हैं।

अथूब 38:31

यहोवा अथूब से क्या पूछते हैं कि क्या वह कचपचिया
और मृगशिरा के साथ कुछ कर सकते हैं?

वह अथूब से पूछते हैं कि क्या वह कचपचिया का गुच्छा गूँथ सकते हैं या मृगशिरा के बन्धन खोल सकते हैं।

अथूब 38:37-38

जब यहोवा उन पर आकाश के कुप्पों को उण्डेलते हैं तो धूलि और ढेलों का क्या होता है?

धूलि जम जाती है, और ढेले एक दूसरे से सट जाते हैं।

अथूब 38:40

जगवान सिंहों पेट भरने के लिए कहाँ घात लगाए बैठते हैं?

वे अपनी माँदों में दबक कर बैठ जाते हैं और आड़ में घात लगाने के लिए छिप जाते हैं।

अथूब 38:41

कौवे के बच्चे निराहार क्यों उड़ते फिरते हैं?

कौवे के बच्चे परमेश्वर की दुहाई देते हुए निराहार उड़ते फिरते हैं।

अथूब 39:4

मैदानों में हष्ट-पुष्ट होकर बड़े होने के बाद हिरणों के बच्चों का क्या होता है?

वे निकल जाते और फिर नहीं लौटते।

अथूब 39:5-6

यहोवा ने जंगली गदहे के लिए कौन सा निवास स्थान ठहराया है?

यहोवा ने जंगली गदहे के लिए निर्जल देश को, और उसका निवास नमकीन भूमि को ठहराया है।

अथूब 39:8

जंगली गदहा भोजन कहाँ पाते हैं?

पहाड़ों पर जो कुछ मिलता है उसे वह चरता वह सब भाँति की हरियाली ढूँढ़ता फिरता है।

अथूब 39:10

यहोवा अथूब से पूछते हैं कि क्या वे जंगली साँड़ को रस्से से बाँधकर रेघारियों में चला सकते हैं?

वह अथूब से पूछते हैं कि वे जंगली साँड़ को रस्से से बाँधकर रेघारियों में चला सकते हैं या क्या वह नालों में पीछे-पीछे हेंगा फेर सकते हैं।

अथूब 39:13

शुतुरमुर्ग आनन्द से अपने पंखों को क्यों फुलाती है?

शुतुरमुर्ग तेजी से दौड़ते हुए आनन्द से अपने पंखों को फुलाती है।

अथूब 39:14

शुतुरमुर्ग अपने अण्डे के साथ क्या करता है?

वे अपने अण्डे को भूमि पर छोड़ देती हैं, और धूलि में उन्हें गर्म करती है।

अथूब 39:16

शुतुरमुर्गों क्यों निश्चिन्त रहती है कि उसका कष्ट अकारथ होता है?

क्योंकि परमेश्वर ने उसको बुद्धिरहित बनाया, और उसे समझने की शक्ति नहीं दी।

अथूब 39:18

यहोवा क्या कहते हैं कि जब शुतुरमुर्ग पंख फैलाती है, तो वह क्या करती है?

वे घोड़े और उसके सवार दोनों को कुछ नहीं समझती है।

अथूब 39:19

घोड़े की गर्दन पर कौन से कपड़े होते हैं?

घोड़े की गर्दन पर फहराते हुई घने बाल जमाए हैं।

अथूब 39:22

घोड़ा तलवार के प्रति कैसे प्रतिक्रिया करता है?

वे तलवार से पीछे नहीं हटते।

अथूब 39:24

नरसिंगे का शब्द पर घोड़ा क्या नहीं कर सकता है?
जब नरसिंगे का शब्द सुनाई देता है तब वह रुकता नहीं।

अथूब 39:27-28

उकाब अपना घोंसला और बसेरा कहाँ बनाते हैं?
वे ऊँचे स्थानों पर अपना घोंसला बनाते हैं, और अपना बसेरा चट्टान की चोटी और दृढ़ स्थान पर बनाते हैं।

अथूब 40:4

अथूब ने यह दिखाने के लिए क्या किया कि वह यहोवा को उत्तर देने के लिए अत्यंत तुच्छ थे?
अथूब ने अपनी उँगली दाँत तले दबा लिया।

अथूब 40:6

यहोवा ने अथूब को किसके माध्यम से उत्तर दिया?
यहोवा ने अथूब को आँधी में से उत्तर दिया।

अथूब 40:7

यहोवा ने अथूब को यहोवा को उत्तर देने के लिए तैयार होने के लिए क्या करने को कहा?
उन्होने अथूब से कहा कि वह एक पुरुष के समान अपनी कमर बाँध लें।

अथूब 40:8

यहोवा ने क्यों कहा कि अथूब यहोवा को दोषी ठहरा रहे थे?
उन्होने कहा कि अथूब ने यहोवा को दोषी ठहरा रहे थे ताकि वह यह दावा कर सके कि वे निर्दोष थे।

अथूब 40:10

यहोवा अथूब को किससे अपने आप को वस्त्र पहनने की चुनौती देते हैं?

वह अथूब को चुनौती देते हैं कि वे अपने को महिमा और प्रताप से संवार और ऐश्वर्य और तेज के वस्त्र पहन ले।

अथूब 40:12

यहोवा अथूब से दुष्ट लोगों के साथ क्या करने के लिए आज्ञा देते हैं?

यहोवा अथूब से कहते हैं कि उन्हें जहाँ वे खड़े हैं वहाँ से गिरा दें।

अथूब 40:15

जलगज क्या खाता है?

वह बैल के समान घास खाता है।

अथूब 40:17

जलगज की पूँछ कैसी होती है?

उसकी पूँछ देवदार के समान है।

अथूब 40:19

परमेश्वर द्वारा बनाए गए सबसे शक्तिशाली जानवरों में से एक कौन सा है?

परमेश्वर कहते हैं कि जलगज परमेश्वर का मुख्य कार्य है, अर्थात् शक्ति में प्रथम है।

अथूब 40:21

जलगज कहाँ लेटा करता है?

वह कमल के पौधों के नीचे रहता नरकटों की आड़ में और कीच पर लेटा करता है।

अथूब 40:23

जब नदी में बाढ़ आती है और यरदन भी बढ़कर उसके मुँह तक आए, तो जलगज क्या सोचता है?

वह न घबराएगा परन्तु वह निर्भय रहेगा।

अथूब 41:1

यहोवा अथूब से किसके द्वारा लिव्यातान को खींचने के लिए पूछते हैं?

यहोवा अथूब से पूछते हैं कि क्या वह बंसी के द्वारा लिव्यातान को खींचने सकते हैं।

अथूब 41:6

परमेश्वर अथूब से पूछते हैं कि यदि मछुए के दल लिव्यातान पकड़ लें तो क्या होगा?

वह अथूब से पूछते हैं कि क्या मछुए के दल लिव्यातान को बिकाऊ माल समझेंगे या उसे व्यापारियों में बाँट देंगे।

अथूब 41:8

यदि कोई व्यक्ति लिव्यातान पर अपना हाथ धरे तो क्या होगा?

यदि कोई व्यक्ति एक बार भी लिव्यातान पर अपना हाथ ही धरे, तो लड़ाई को कभी न भूलेगा, और भविष्य में कभी ऐसा न करेगा।

अथूब 41:10

क्योंकि कोई भी इतना साहसी नहीं है कि लिव्यातान को भड़काए, तो फिर कौन यहोवा के सामने ठहर सकता है?

कोई भी लिव्यातान को भड़काने की साहस नहीं रखता, इसलिए कोई भी यहोवा के सामने ठहर नहीं सकता।

अथूब 41:14

यहोवा लिव्यातान के मुख का वर्णन और कैसे करते हैं?

वह कहते हैं कि उसके मुख के दोनों किवाड़, जो दांतों से चारों ओर धिरे हैं, डरावने हैं।

अथूब 41:16

लिव्यातान की पीठ के छिलकों की रेखाएँ कैसे जुड़े हुए हैं?

वे एक दूसरे से ऐसे जुड़े हुए हैं, कि उनमें कुछ वायु भी नहीं पैठ सकती।

अथूब 41:18

यहोवा कहते हैं कि लिव्यातान की आँखें कैसी होती हैं?

उसकी आँखें भोर की पलकों के समान चमकीली हैं।

अथूब 41:19

लिव्यातान के मुँह से क्या निकलता है?

लिव्यातान के मुँह से जलते हुए पलीते निकलते हैं, और आग की चिंगारियाँ छूटती हैं।

अथूब 41:20

लिव्यातान के नथनों से निकलने वाला धुआँ कैसा होता है?

उसके नथनों से ऐसा धुआँ निकलता है, जैसा खौलती हुई हाण्डी और जलते हुए नरकटों से धुआँ निकलता है।

अथूब 41:24

लिव्यातान का हृदय कैसा होता है?

उसका हृदय पत्थर सा दृढ़ है, वरन् चक्की के निचले पाट के समान दृढ़ है।

अथूब 41:25

जब लिव्यातान खुद को ऊपर उठने लगता है, तब सामर्थ्य क्या करते हैं?

वे डर जाते हैं और डर के मारे उनकी सुध-बुध लोप हो जाती है।

अथूब 41:26

जब कोई तलवार, भाले, तीर या कोई नुकीला हथियार लिव्यातान पर चलाए, तो क्या होता है?

तो उससे कुछ न बन पड़ेगा।

अथूब 41:27

लिव्यातान लोहे और पीतल के बारे में क्या जानता है?

वह लोहे को पुआल सा, और पीतल को सड़ी लकड़ी सा जानता है।

अथूब 41:30

लिव्यातान किस प्रकार का हेंगा फेरता है?

उसके निचले भाग पैने ठीकरे के समान हैं, कीचड़ पर मानो वह हेंगा फेरता है।

अथूब 41:31

वह गहरे जल को किस उद्देश्य से मथता है?

वह गहरे जल को हण्डे के समान मथता है।

अथूब 41:33

धरती पर लिव्यातान के तुल्य कोई क्यों नहीं है?

उसे निर्भय जीने के लिए बनाया गया है।

अथूब 42:3

क्या अथूब ने स्वीकार किया कि उन्होंने क्या कहा था?

उन्होंने ऐसी बातें कहीं थीं जो वह नहीं समझते थे, ऐसी बातें जो उनके लिए समझना अधिक कठिन थीं, जिनके बारे में वे जानते भी नहीं थे।

अथूब 42:6

अपनी आँखों से यहोवा को देखने के बाद अथूब ने कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की?

अथूब ने अपने ऊपर घृणा की और धूलि और राख में पश्चाताप किया।

अथूब 42:7

यहोवा ने कहा कि एलीपज और उनके दो दोस्तों ने क्या गलत किया था?

उन्होंने यहोवा के विषय में कैसी ठीक बातें नहीं कहीं थीं, जैसी अथूब ने कहीं थीं।

अथूब 42:8

यहोवा ने एलीपज को होमबलि के रूप में क्या देने के लिए कहा था?

उन्होंने एलीपज से कहा कि वे अपने लिए होमबलि के रूप में सात बैल और सात मेढ़े छाँटकर चढ़ाएं।

अथूब 42:8 (#2)

यहोवा ने कहा कि वे किसकी प्रार्थना ग्रहण करेंगे?

यहोवा ने कहा कि वे अथूब की प्रार्थना ग्रहण करेंगे।

अथूब 42:10

अथूब ने अपने मित्रों के लिए प्रार्थना करने के बाद क्या हुआ?

यहोवा ने उनका सारा दुःख दूर किया, और जितना अथूब का पहले था, उसका दुगना यहोवा ने उन्हें दे दिया।

अथूब 42:11

जब लोग अथूब को शान्ति देने आए, तो एक-एक व्यक्ति ने उन्हें क्या दिया?

एक-एक व्यक्ति ने उन्हें चाँदी का सिक्का और सोने की एक-एक बाली दी।

अथूब 42:12

यहोवा ने अथूब के बाद के दिनों में उन्हें कैसे आशीष दी?

यहोवा ने अथूब के जीवन के पहले के दिनों के तुलना में अथूब के बाद के दिनों में अधिक आशीष दी।

अथूब 42:13

यहोवा ने अथूब को कितने और बेटे और बेटियाँ प्रदान कीं?

उनके सात बेटे और तीन बेटियाँ भी उत्पन्न हुईं।

अथूब 42:15

अथूब की बेटियों में क्या विशेषता थी?

उस सारे देश में ऐसी स्त्रियाँ कहीं न थीं, जो अथूब की बेटियों के समान सुन्दर हों, और उनके पिता ने उनको उनके भाइयों के संग ही सम्पत्ति दी।